RNI NO. PUNBIL/2014/59416

UTURNTIME.COM

यूटर्न टाइम

THE GOOD, BAD AND UGLY OF INDIA

FOLLOW US ON @UTURNTIMENEWS

गुस्ताखी माफ

मांगें पूरी करेंगे, है अपना इकरार।
पर जायज हैं या नहीं, देखेगी सरकार।
देखेगी सरकार, अगर जायज-नाजायज।
नाजायज ही लगे, लगे ना कोई जायज।
कह साहिल कविराय, रहेंगी नहीं अधूरी।
जायज जो भी लगीं, करेंगे मांगें पूरी।

प्रस्तुति : डॉ. राजेन्द्र साहिल

VOL: 03 | ISSUE 145 | THURSDAY DATE 18-06-2026 | RS 3 | PAGE-8 | PUBLISHED BY: DELHI | HINDI DAILY NEWSPAPER Visit at : www.uturntime.com

भारत का सौर कृषि मॉडल अफ्रीका के लिए उदाहरण : नरेंद्र मोदी

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 17 जून ।**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को कहा कि भारत स्वच्छ ऊर्जा के माध्यम से टिकाऊ कृषि को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि खेती में सौर ऊर्जा के उपयोग का भारत का मॉडल अफ्रीका के लिए एक प्रभावी और बड़े पैमाने पर अपनाया जा सकने वाला समाधान साबित हो सकता है।

साझा समृद्धि, समुदायों को सशक्त बनाने और खाद्य सुरक्षा को मजबूत करने की इसकी क्षमता पर जोर देते हुए प्रधानमंत्री ने इसे भारत के किसानों और पूरे देश के लिए गर्व का विषय बताया। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी का एक लेख साझा करते हुए लिखा, 'सौर ऊर्जा एक परिवर्तनकारी शक्ति के रूप में उभर रही है। कृषि के लिए स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग का भारत का मॉडल अफ्रीका के लिए बड़े पैमाने पर अपनाया जा सकने वाला उदाहरण है, जो साझा समृद्धि को मजबूत करेगा, समुदायों को सशक्त बनाएगा और खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने में मदद करेगा। यह हमारे किसानों और हम सभी के लिए गर्व की बात है।' लेख में बताया गया है कि भारत की सौर क्रांति अब देश की सीमाओं से आगे बढ़कर अन्य देशों के लिए भी नए अवसर पैदा कर रही है। इसमें प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाभियान (पीएम-कुसुम) और अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (इंटरनेशनल सोलर अलायंस) जैसी पहलों को सौर ऊर्जा आधारित कृषि और स्वच्छ ऊर्जा तक पहुंच बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाला बताया गया है।

लेख में कहा गया है कि भारत का अनुभव यह दिखाता है कि नवीकरणीय ऊर्जा खेती की उत्पादकता बढ़ाने, किसानों की आय में सुधार करने और पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों पर निर्भरता कम करने में मदद कर सकती है।

जी-7 में बोले मोदी, साझा वैश्विक समृद्धि के लिए सभी मिलकर काम करें

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जी-7 देशों से साझा वैश्विक समृद्धि की दिशा में काम करने का आ'ान करते हुए कहा है कि भारत विभाजन में नहीं, बल्कि एकीकरण, संरक्षणवाद नहीं, बल्कि भागीदारी और अनिश्चितता नहीं बल्कि साझा समृद्धि में विश्वास रखता है। प्रधानमंत्री ने बुधवार को फ्रांस के एवियन शहर में जी-7 देशों के 52 वें शिखर सम्मेलन में भागीदार देश के रूप में 'सभी के लिए संतुलित, साझा और टिकाऊ आर्थिक विकास' विषय पर आउटरीच सत्र को संबोधित किया। साझा समृद्धि पर विचार रखते हुए उन्होंने जी-7 देशों से अफ्रीका, लैटिन अमेरिका और प्रशांत द्वीप देशों के साथ व्यापार बढाने के लिए एक 'कनेक्टिविटी प्रोजेक्ट' 'इंटरनेशनल मोबिलाइजेशन पार्टनरशिप फॉर एक्सेलरेटिंग कनेक्टिविटी एंड ट्रेड' (इम्पेक्ट) बनाने के साथ-साथ विकसित और विकासशील देशों के बीच 'ग्लोबल स्किल्स पार्टनरशिप' बनाने का सुझाव दिया।

संक्षिप्त खबरें

सरकार ने पिछले 12 वर्षों में खड़ा किया मजबूत सुरक्षा तंत्र : शाह

नयी दिल्ली, यूटर्न/ 17 जून । केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि पिछले 12 वर्षों में सरकार ने देश में सुरक्षा तंत्र को मजबूत बनाते हुए सर्जिकल स्ट्राइक, ऑपरेशन सिंदूर, अनुच्छेद 370 को समाप्त करने और नक्सल उन्मूलन से राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की मिसाल पेश की हैं। श्री शाह ने बुधवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि मोदी सरकार ने पिछले 12 वर्षों में देश में ऐसा सुरक्षा तंत्र खड़ा किया है जो नागरिकों की रक्षा करता है और दुश्मनों का विनाश करता है। गृह मंत्री ने कहा, 'मोदी सरकार के 12 वर्षों में हमारे देश को सुरक्षा के एक ऐसे मजबूत गढ़ के तौर पर फिर से खड़ा किया गया है जो नागरिकों की रक्षा करता है और दुश्मनों का विनाश कर देता है। चाहे वह सर्जिकल स्ट्राइक, एयर स्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर जैसी सैन्य कार्रवाई से सीमा पार के दुश्मनों का जवाब देना हो, अनुच्छेद 370 को हटाना हो, नक्सलवाद को खत्म करना हो या पूर्वोत्तर में 12 से ज्यादा समझौतों के जरिए आंतरिक सुरक्षा को मजबूत करना हो - भारत ने राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति अपनी पक्की प्रतिबद्धता की ऐसी मिसालें पेश की हैं, जिन्हें दुनिया सराहती है।

लोकतंत्र को नुकसान पहुंचाने के लिए शाह चला रहे हैं कुटिल अभियान': रमेश

नयी दिल्ली, यूटर्न/ 17 जून । कांग्रेस पार्टी के महासचिव जयराम रमेश ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर विपक्ष को निशाना बनाने और भारतीय लोकतंत्र को कमजोर करने का आरोप लगाया है। श्री रमेश ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' के माध्यम से बुधवार को कहा, 'गृह मंत्री अमित शाह 17 अप्रैल 2026 को लोकसभा में परिसीमन विधेयकों को पारित नहीं करा पाने के बाद अपनी 'बेइज्जती' की भरपाई करने के लिए लगातार विपक्ष पर हमले कर रहे हैं।' श्री रमेश ने आरोप लगाया कि गृह मंत्री के प्रलोभनों के कारण ऐसे कई नेता भाजपा में शामिल हो रहे हैं, जो केवल दो वर्ष पहले मजबूत भाजपा-विरोधी एजेंडे पर चुने गए थे। उन्होंने दावा किया कि इन नेताओं को दिये जा रहे लालच 'चौंकाने वाले' हैं।

केरल में तीन चर्चित मामलों की दोबारा जांच, सरकार ने गठित की एसआईटी

तिरुवनंतपुरम, यूटर्न/ 17 जून । केरल सरकार ने तीन पुराने और राजनीतिक रूप से संवेदनशील मामलों की जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया है। इनमें 'काफिर स्क्रीनशॉट' विवाद, अलप्पुझा में यूथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर कथित हमले और इंडिगो फ्लाइट में यूथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं व पूर्व मंत्री ई.पी. जयराजन के बीच हुए विवाद का मामला शामिल है। सरकार का कहना है कि इन मामलों में पहले जांच में अपेक्षित प्रगति नहीं हुई थी। फ्लाइट विवाद मामले में यूथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं की शिकायत पर कार्रवाई नहीं होने के आरोप लगे थे। वहीं, 'काफिर स्क्रीनशॉट' मामले में हाल ही में एक सीपीआई(एम) कार्यकर्ता की गिरफ्तारी हुई है। इन घटनाक्रमों के बाद एक बार फिर राजनीतिक मामलों की जांच में पुलिस की निष्पक्षता और कार्यप्रणाली को लेकर बहस तेज हो गई है।

ट्रेड लाइसेंस-प्रॉपर्टी टैक्स लिंकिंग के बावजूद नगरनिगम का पोर्टल अपडेट नहीं : यादव

नयी दिल्ली, यूटर्न/ 17 जून । दिल्ली प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने बुधवार को कहा कि ट्रेड लाइसेंस और संपत्ति कर को लिंक करने के बाद भी नगर निगम का पोर्टल अपडेट नहीं हो सका है और ये भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शासित दिल्ली सरकार और नगर निगम की बड़ी विफलता है। श्री यादव ने यहां जारी बयान में कहा कि अप्रैल में जारी आदेश के ढाई महीने बाद भी पोर्टल अपडेट न होने से लाखों व्यापारिक प्रतिष्ठानों के ट्रेड लाइसेंस का नवीनीकरण रुका हुआ है। होटल, रेस्टोरेंट, जिम, कैफे, डेयरी, अस्पताल, मेडिकल स्टोर, गोदाम और अन्य व्यवसायिक प्रतिष्ठान लाइसेंस नवीनीकरण के लिए इंतजार कर रहे हैं। इस देरी के कारण व्यापारियों पर प्रतिदिन 500 रुपये तक जुमार्ने और दुकानों की सीलिंग का खतरा मंडरा रहा है।

स्वच्छता के मार्ग पर चलकर ही हासिल हो सकता है विकसित भारत का लक्ष्य : विजेंद्र

नयी दिल्ली, यूटर्न/ 17 जून । दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेन्द्र गुप्ता ने बुधवार को कहा कि विकसित भारत 2047 का लक्ष्य केवल स्वच्छता और नागरिक उत्तरदायित्व के मार्ग पर चलकर ही प्राप्त किया जा सकता है। श्री गुप्ता ने आज चांदनी चौक स्थित जैन लाल मंदिर एवं गौरी शंकर मंदिर में स्वच्छता अभियान में शामिल होकर श्रमदान करते हुए कहा कि यह कार्यक्रम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में सेवा, सुशासन एवं गरीब कल्याण के 12 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों की श्रृंखला का हिस्सा था।

नीट पर राहुल की राजनीति, छात्रों में भ्रम : सुधांशु त्रिवेदी

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 17 जून ।**

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के कोटा में प्रस्तावित छात्र प्रदर्शन को लेकर भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कांग्रेस पर हमला बोला है। उन्होंने राहुल गांधी पर नीट परीक्षा से पहले छात्रों के बीच भ्रम और तनाव पैदा करने का आरोप लगाया है। भाजपा मुख्यालय में मीडिया से बातचीत करते हुए सुधांशु त्रिवेदी ने कहा, 'सिर्फ 3 दिन बाद फिर से नीट की परीक्षा होगी। एक तरफ सारे छात्र परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं। सरकार ने पूरी सतर्कता के साथ इस प्रक्रिया को व्यवस्थित रूप से संपन्न करने के लिए कमर कसी है। जहां सरकार संवेदनशीलता से काम कर रही है, वहीं कांग्रेस पार्टी और नेता विपक्ष राहुल गांधी कुटिलता का प्रयोग करते दिखाई पड़ रहे हैं। मैं पूछना चाहता हूं कि परीक्षा से पहले अंतिम 72 घंटे, जिस समय छात्र तनावमुक्त होकर तैयारी करना चाहता है, उस समय आप इस प्रकार का आयोजन करके उनके मन में भय, तनाव और उत्तेजना उत्पन्न करके मानसिक यातना क्यों देना चाह रहे हैं? राजनीति करने के बहुत अवसर मिलेंगे।

आप इन्हीं 72 घंटों में राजनीति क्यों करना चाह रहे हैं?' सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि यह समय छात्रों के लिए पूरी तरह से अपनी परीक्षा पर ध्यान केंद्रित करने का है।

रील बनाने वाले पुलिसकर्मी को सीएम योगी की चेतावनी, बोले-सिस्टम पर ना उठे सवाल

» **लखनऊ, यूटर्न/ 17 जून ।**

सोशल मीडिया पर पुलिसकर्मियों की रील बनाने की बढ़ती प्रवृत्ति के बीच उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सख्त संदेश दिया है।

उन्होंने कहा कि ड्यूटी के दौरान रील बनाना अनुशासनहीनता है और इससे व्यक्ति के साथ-साथ पूरे विभाग की छवि प्रभावित होती है। सीएम योगी ने कर्मचारियों को अपने दायित्वों के प्रति सजग रहने की नसीहत देते हुए कहा कि ऐसा कोई कार्य नहीं होना चाहिए, जिससे व्यवस्था या विभाग उपहास का विषय बने। उन्होंने यह बातें लखनऊ में आयोजित उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड के नियुक्ति-पत्र वितरण समारोह में कीं। मुख्यमंत्री ने बुधवार को लोकभवन सभागार में आयोजित उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड के नियुक्ति-पत्र वितरण समारोह को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने चयनित 930 कंप्यूटर ऑपरेटर (ग्रेड-ए) अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज शासन और प्रशासन में जवाबदेही और पारदर्शिता का नया वातावरण बना है। भर्ती प्रक्रियाओं में न तो किसी प्रकार की सिफारिश चलती है और न ही भेदभाव के लिए कोई स्थान है। उन्होंने कहा कि यदि सरकार भी पूर्ववर्ती सरकारों की तरह निर्णयों को टालती रहती, तो पुलिस विभाग में सवा दो लाख से अधिक भर्तियां संभव नहीं हो पातीं। पिछले नौ वर्षों में प्रदेश की कानून-व्यवस्था में व्यापक बदलाव आया है।

अमित शाह ने दिल्ली झुग्गी पुनर्वास नीति 2026 को अंतिम रूप दे दिया : सूद

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 17 जून ।**

दिल्ली के गृह और शहरी विकास मंत्री आशीष सूद ने बताया कि बुधवार को यहां केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में हुई समीक्षा बैठक में 'दिल्ली स्लम और जेजे क्लस्टर पुनर्वास और पुनर्स्थापन नीति-2026' को अंतिम रूप दिया गया। सूद ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'दिल्ली की झुग्गियों और जेजे क्लस्टर में रहने वाले लाखों परिवारों को सम्मानजनक घर देने की दिशा में आज एक अहम फैसला लिया गया। केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में हुई समीक्षा बैठक में 'दिल्ली झुग्गी और जेजे क्लस्टर पुनर्वास और पुनर्स्थापना नीति-2026' को अंतिम रूप दिया गया।'

इस फैसले को 'ऐतिहासिक' बताते हुए उन्होंने कहा कि शहर को विकसित भारत की राजधानी बनाने के लिए ऐसा कदम उठाया गया है। दिल्ली के मंत्री ने एक अलग वीडियो संदेश में आगे कहा, 'विकसित दिल्ली में किसी को भी झुग्गियों में नहीं रहना पड़ेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, केंद्रीय आवास और शहरी मामलों के मंत्री मनोहर लाल और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की मौजूदगी में, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राष्ट्रीय राजधानी में झुग्गियों की जगह घर बनाने की नीति को अंतिम रूप दिया है।' उन्होंने कहा, '1 जनवरी 2027 तक, हमारी सरकार लोगों को उन्हीं इलाकों में घर उपलब्ध कराएगी, जहां वे अभी झुग्गियों में रह रहे हैं।'

लुवास में किसान यात्रा एवं पशुधन संवर्धन सम्मेलन आयोजित, वैज्ञानिक पशुपालन पर जोर; प्रगतिशील किसान सम्मानित

» राजेश सलूजा

हरियाणा, यूटर्न/ 17 जून । केंद्र सरकार के सेवा, सुशासन एवं जनकल्याण के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में हरियाणा प्रदेश में चलाए जा रहे विशेष राज्यव्यापी जन-जागरूकता अभियान के अंतर्गत लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय (लुवास), हिसार द्वारा बुधवार को चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू), हिसार के इंदिरा गांधी सभागार में 'किसान यात्रा एवं पशुधन संवर्धन सम्मेलन' का भव्य आयोजन किया गया। सम्मेलन में प्रदेशभर से आए किसानों, पशुपालकों, प्रगतिशील कृषकों, वैज्ञानिकों, विद्यार्थियों तथा विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि हरियाणा सरकार के जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं लोक निर्माण मंत्री श्री रणबीर गंगवा रहे, जबकि नलवा विधायक श्री रणधीर पनिहार एवं हिसार के महापौर श्री प्रवीण पोपली विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता लुवास के कुलपति प्रो. विनोद कुमार वर्मा ने की। इस अवसर पर चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार के कुलपति डॉ. बी.आर. कम्बोज भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। अपने संबोधन में मुख्य अतिथि श्री रणबीर गंगवा ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में कृषि एवं पशुपालन क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति हुई है तथा केंद्र एवं हरियाणा सरकार किसानों और पशुपालकों की आय बढ़ाने के लिए अनेक जनहितकारी योजनाएं संचालित कर रही हैं।

केंद्र और दिल्ली सरकार की योजनाओं का लाभ उठाने का सुनहरा अवसर : रेखा गुप्ता

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 17 जून ।

दिल्ली सरकार आम नागरिकों को सरकारी सेवाएं उनके घर के निकट और सरल तरीके से उपलब्ध कराने के लिए 18 जून से 20 जून तक राजधानी के 42 स्थानों पर व्यापक जन कल्याण शिविरों का आयोजन कर रही है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के अनुसार इन शिविरों में केंद्र सरकार और दिल्ली सरकार की विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं और सेवाओं को एक ही मंच पर उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे लोगों को अलग-अलग कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे।

मुख्यमंत्री कहा कि जन कल्याण शिविरों का उद्देश्य शासन को जनता के द्वार तक पहुंचाना और नागरिकों की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करना है। सरकार की प्राथमिकता है कि पात्र नागरिकों को योजनाओं का लाभ समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से मिले। इसी उद्देश्य से सभी संबंधित विभागों को इन शिविरों में भाग लेने और मौके पर ही अधिकतम मामलों का निस्तारण करने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि अधिकांश शिविर विद्यालय परिसरों में लगाए जाएंगे ताकि नागरिकों को सुविधाजनक और सुलभ स्थान उपलब्ध हो सके। शिविरों में आने वाले लोगों के बैठने, प्रतीक्षा करने और आवश्यक सहायता प्राप्त करने की भी समुचित व्यवस्था की जाएगी। सभी शिविर प्रतिदिन सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक संचालित होंगे।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि इन शिविरों में सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग, दिल्ली जल बोर्ड, ऊर्जा विभाग, परिवहन विभाग, शहरी विकास विभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, शिक्षा विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, राजस्व विभाग सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहेंगे। नागरिकों से संबंधित अनेक कार्यों और आवेदनों का मौके पर ही निपटारा किया जाएगा तथा आवश्यक मार्गदर्शन भी प्रदान किया जाएगा। उन्होंने बताया कि शिविरों में पिंक कार्ड, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के अंतर्गत पंजीकरण एवं ऋण सुविधा, राशन कार्ड संबंधी सेवाएं, आधार पंजीकरण, ई-श्रम कार्ड, जन धन खाता, स्टार्टअप इंडिया तथा एमएसएमई एवं उद्योगों के लिए ऋण सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इसके अतिरिक्त प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के तहत सौर ऊर्जा संबंधी जानकारी एवं लाभ प्राप्त करने की सुविधा भी प्रदान की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों और समाज के कमजोर वर्गों के लिए भी विशेष सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी। शिविरों में प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, लाड़ली योजना, विधवा पुत्री विवाह सहायता, विधवा एवं दिव्यांग पेंशन तथा अन्य पेंशनधारकों का रिकॉर्ड अपडेट/नवीनीकरण किया जाएगा। अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति समुदाय के लिए संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी और लाभ भी उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि 70 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों और बीपीएल कार्डधारकों के लिए आयुष्मान कार्ड बनाने की सुविधा भी शिविरों में उपलब्ध रहेगी। राष्ट्रीय वयोश्री योजना के अंतर्गत पात्र वरिष्ठ नागरिकों को सहायता प्रदान करने के लिए भी विशेष व्यवस्था की जाएगी। इसके अलावा 'हौसलो की उड़ान' और टैलेंट हंट कार्यक्रमों के माध्यम से युवाओं की प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने का अवसर भी उपलब्ध कराया जाएगा।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली जल बोर्ड के अंतर्गत एलपीआरएससी योजना के माध्यम से जल कनेक्शनों के नियमितीकरण, गृह कर संबंधी सेवाओं तथा पीएम-उदय योजना से संबंधित मामलों के लिए भी नागरिक शिविरों का लाभ उठा सकेंगे। साथ ही, 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के अंतर्गत पौधों का वितरण कर पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता को बढ़ावा दिया जाएगा।

उन्होंने दिल्लीवासियों से अपील की कि वे अपने निकटतम जन कल्याण शिविर में पहुंचकर केंद्र और दिल्ली सरकार की विभिन्न योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ उठाएं। उन्होंने कहा कि जन कल्याण शिविर सुशासन, पारदर्शिता और जनसेवा के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता का प्रतीक हैं तथा इनसे समाज के अंतिम व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने में महत्वपूर्ण सहायता मिलेगी।

संक्षिप्त खबरें

रास्ते से बाइक हटाने पर विवाद, मारपीट का आरोप

लोनी, यूटर्न/ 17 जून । कोतवाली क्षेत्र के सरस्वती विहार कॉलोनी में रास्ते पर खड़ी बाइक हटाने की बात पर तीन युवकों ने नाईपुरा कॉलोनी निवासी रविंद्र से मारपीट कर दी। आरोपी सरस्वती विहार कॉलोनी में संचालित सैलून का मालिक हर्ष और उसके साथी सुहेल व शारिक हैं। मामला रविवार शाम का है, पुलिस ने मंगलवार को प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की है। दर्ज मामले में रविंद्र ने बताया कि रविवार शाम वह कार से ममेरे भाई नितिन के साथ घर की तरफ आ रहे थे। सरस्वती विहार कॉलोनी में सैलून के सामने रास्ते में दो बाइकें खड़ी थीं। जब उन्होंने हॉर्न बजाया तब सैलून संचालक हर्ष अपने दोनों साथियों के साथ बाहर आकर गाली-गलौज करने लगा। विरोध करने पर आरोपियों ने लाठी-डंडे से हमलाकर कर दिया।

खेत में युवक को पीटकर किया घायल, रिपोर्ट दर्ज

लोनी, यूटर्न/ 17 जून । बादशाहपुर सिरौली गांव स्थित खेत में काम कर रहे मेरठ के जिटौरा निवासी उमेश को तीन युवकों ने पीटकर घायल कर दिया। घटना सोमवार को हुई। पीड़ित ने गौतमबुद्ध नगर के गांव रिठौड़ी निवासी रोहित, उसके भाई भारत और उनके दोस्त रणवीर पर आरोप लगाते हुए प्राथमिकी दर्ज कराई है। मामले में पीड़ित ने बताया कि कुछ समय पूर्व उन्होंने बागपत के भगौट गांव निवासी रिश्तेदार रिछपाल से करीब डेढ़ बीघा खेत बादशाहपुर सिरौली में खरीदा था। उन्होंने बताया कि जब वह खेत पर काम करने गए तब रोहित, भारत व रणवीर उन्हें खेत पर काम करने से रोका। विरोध जताने पर तीनों ने गाली गलौज कर पिटाई कर दी। एसीपी लोनी सिद्धार्थ गौतम ने बताया तीनों आरोपियों की तलाश की जा रही है।

ट्रक की टक्कर से ई-रिक्शा चालक की मौत, हंगामा

साहिबाबाद, यूटर्न/ 17 जून । करनगेट चौकी के पास ट्रक की टक्कर से घायल हुए शालीमार गार्डन थानाक्षेत्र स्थित छावड़ा कॉलोनी निवासी ई-रिक्शा चालक भागमल (45) ने मंगलवार को इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। सोमवार देर शाम को एक ट्रक ने पीछे से ई-रिक्शा को टक्कर मारकर घायल कर दिया था। उनको इलाज के लिए जीटीबी रेफर किया गया था। उनकी मौत के बाद परिजन ने ट्रक चालक की गिरफ्तारी और कार्रवाई को लेकर जमकर हंगामा किया। पुलिस ने मामले में प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की है।

रक्फअभियान में पूरी सक्रियता से जुटें कार्यकर्ता, एक भी पात्र मतदाता वंचित न रहे : बृजलाल बहबलपुरिया

BLA-1 एवं BLA-2 के समन्वय से अभियान को सफल बनाएं : चंद्रप्रकाश जांगड़ा

» हरियाणा, यूटर्न/ 17 जून ।

हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा चलाए जा रहे Special Intensive Revision (SIR) अभियान के तहत हिसार एवं हांसी जिलों के पर्यवेक्षक, प्रदेश कांग्रेस ओबीसी विभाग के अध्यक्ष, प्रदेश स्तरीय SIR समिति के सदस्य तथा आदमपुर विधानसभा विधायक चंद्रप्रकाश जांगड़ा ने आज कांग्रेस भवन हिसार में हिसार एवं हांसी जिले की सभी सात विधानसभा क्षेत्रों के BLA-1 की जिला स्तरीय बैठक ली। उकलाना विधानसभा से विधायक नरेश सेलवाल, हांसी विधानसभा से पूर्व कांग्रेस प्रत्याशी राहुल मक्कड़, हिसार विधानसभा से भारत सिंह सोनी, नारनौंद विधानसभा से रोहित दलाल तथा बरवाला विधानसभा से प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

बैठक की अध्यक्षता जिला कांग्रेस कमेटी (ग्रामीण) हिसार के अध्यक्ष बृजलाल बहबलपुरिया ने की। बैठक में SIR अभियान की प्रगति की समीक्षा की गई तथा बूथ स्तर पर अभियान को और अधिक प्रभावी एवं मजबूत बनाने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए बृजलाल बहबलपुरिया ने कहा कि SIR अभियान केवल मतदाता सूची पुनरीक्षण का कार्यक्रम नहीं बल्कि लोकतंत्र और संविधान द्वारा प्रदत्त मताधिकार की रक्षा का अभियान है।

ओआरसी सैनिक अकादमी ने उत्साह के साथ मनाया 16वां वार्षिक दिवस

» हरियाणा, यूटर्न/ 17 जून ।

ओआरसी सैनिक अकादमी ने अपने ढकोली परिसर में बड़े उत्साह, गर्व और उल्लास के साथ 16वां वार्षिक दिवस मनाया। कार्यक्रम में अकादमी के डायरेक्टर श्री रंजीत रंजन झा, श्रीमती ऋचा झा, चीफ मेंटर श्री हमदम शर्मा, स्टाफ सदस्य, छात्र-छात्राएं एवं अभिभावक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान जूनियर एवं सीनियर विंग के विद्यार्थियों के लिए सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई। जूनियर विंग में मुकुल ठाकुर, निखिल और परमीत की टीम रनर-अप रही, जबकि शौर्य शर्मा, कियान और युवराज कश्यप की टीम ने विजेता का खिताब अपने नाम किया। सीनियर विंग में अंशुमन और उर्वी रनर-अप रहे, जबकि कार्निक नंदन और अंशुल चंदेल विजेता बने।

इस अवसर पर अकादमी ने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रतिष्ठित ओआरसी विशिष्ट छात्र पुरस्कारों से सम्मानित किया। स्मार्ट अपीयरेंस अवार्ड दिव्यांशी, डिसिप्लिन स्टार अवार्ड कियांश, होमवर्क एक्सीलेंस अवार्ड सम्राट, असाइनमेंट ऐस अवार्ड भुविका, हैंडराइटिंग एक्सीलेंस अवार्ड खुशी, एक्टिव लर्नर अवार्ड यक्षित तथा वेल-ऑर्गनाइज्ड स्टूडेंट अवार्ड कार्निक नंदन को प्रदान किया गया। अटेंडेंस एक्सीलेंस अवार्ड नितिन, निखिल और रिधि को मिला, जबकि आउटस्टैंडिंग एफर्ट्स अवार्ड अरुणजय और एक्सीलेंस इन कंडक्ट अवार्ड रजनीश कुमार को दिया गया। गुडविल स्टार अवार्ड वैदिक शर्मा, लक्ष्य, विभव, स्वर्णिम और अद्वय दीक्षित को प्रदान किए गए।

कार्यक्रम में अकादमी ने संस्कार पांडे और ऋतिक को राष्ट्रीय मिलिट्री स्कूल, बेंगलुरु में सफल चयन एवं प्रवेश के लिए शुभकामनाएं दीं। साथ ही हाल ही में प्रतिष्ठित राष्ट्रीय इंडियन मिलिट्री कॉलेज (आरआईएमसी) में चयनित भाई-बहन की जोड़ी चैतन्य झा और प्रणय झा की विशेष रूप से सराहना की गई।

विभिन्न प्रतियोगिताओं और पुरस्कार श्रेणियों के विजेताओं को शील्ड एवं ट्रॉफियां प्रदान की गईं। इस अवसर पर डायरेक्टर श्री रंजीत रंजन झा ने सभी पुरस्कार विजेताओं को बधाई देते हुए विद्यार्थियों को शिक्षा, अनुशासन और चरित्र निर्माण के क्षेत्र में निरंतर उत्कृष्टता हासिल करने के लिए प्रेरित किया।

वहीं चीफ मेंटर श्री हमदम शर्मा ने छात्रों और स्टाफ की मेहनत की प्रशंसा करते हुए कहा कि अकादमी युवाओं को सशस्त्र बलों में सफल करियर के लिए तैयार करने हेतु पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

कार्यक्रम का समापन उत्साहपूर्ण वातावरण में हुआ। सफल विद्यार्थियों का तालियों की गड़गड़ाहट के साथ सम्मान किया गया और सभी छात्रों को भविष्य में नई ऊंचाइयों को छूने के लिए प्रेरित किया गया।

यूटर्न टाइम THE GOOD, BAD & UGLY OF INDIA

रैडक्रॉस द्वारा वृद्धजन एवं दिव्यांगजन जांच एवं माप शिविर का 22 जून से 26 तक किया जाएगा आयोजन

» प्रमोद कौशिक/संजीव कुमारी

थानेसर, यूटर्न/ 17 जून । उपायुक्त एवं अध्यक्ष जिला रेड क्रॉस सोसाइटी विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि जिला रेडक्रॉस शाखा द्वारा जिला प्रशासन कुरुक्षेत्र एवं एलिम्को के संयुक्त तत्वावधान में वृद्धजन एवं दिव्यांगजन जांच एवं माप शिविरों का 22 जून से 26 जून तक आयोजन किया जाएगा।

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने जिला रेडक्रॉस सोसाइटी के शेड्यूल के अनुसार जानकारी देते हुए कहा कि इन शिविरों का आयोजन 22 जून को शाकुंभरी देवी मंदिर शाहबाद, 23 जून, अनाज मंडी धर्मशाला।

लाडवा, 24 जून नगरपालिका कार्यालय पिहोवा, 25 जून को खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी कार्यालय इस्माइलाबाद तथा 26 जून को रेड क्रॉस भवन कार्यालय सेक्टर 13 कुरुक्षेत्र में दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठ नागरिकों के लिए निशुल्क जांच एवं माप शिविर आयोजित किए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि इन जांच शिविरों में वृद्धजन एवं दिव्यांगजन का आकलन किया जाएगा कि किस व्यक्ति को व्हीलचेयर , ट्राईसाइकिल, बैसाखी, कृत्रिम हाथ या पैर, कानों से सुनने की मशीन आदि चाहिए। इनके पंजीकरण के लगभग 4 महीने बाद इनको ये सामान उपलब्ध करवाया जाएगा। रेडक्रॉस सचिव रमेश चौधरी ने बताया कि जिस भी वृद्ध जन या दिव्यांजन को इस प्रकार के कृत्रिम अंग या व्हील चेयर आदि की जरूरत है वो अपने नजदीक लगने वाले शिविर में पहुंच कर पंजीकरण करवा ले। इन जांच शिविर में वरिष्ठ नागरिक जो की 60 वर्ष या उससे अधिक है अपने साथ आधार कार्ड की छाया प्रति, जिसकी मासिक आय 15 हजार रुपए प्रतिमाह से कम हो का प्रमाण पत्र जो किसी सरपंच या पार्षद से लिखवाकर भी दे सकते है। या परिवार पहचान पत्र और दो पासपोर्ट साइज फोटो अपने साथ लेकर आनी है ।

दिल्ली पुलिस की बड़ी कार्रवाई: पाकिस्तान समर्थित आतंकी मॉड्यूल के पांच अन्य आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली, यूटर्न/ 17 जून । दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से जुड़े कथित आतंकी मॉड्यूल का पदार्फाश करते हुए पांच और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, यह मॉड्यूल पाकिस्तान स्थित आईएसआई हैंडलर शहजाद भट्टी के निर्देश पर काम कर रहा था और इसका उद्देश्य दिल्ली तथा पड़ोसी राज्यों में पुलिसकर्मियों को निशाना बनाना, आतंकी गतिविधियों को बढ़ावा देना और युवाओं की भर्ती करना था। स्पेशल सेल के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपियों की पहचान हरियाणा के फरीदाबाद निवासी सोहेल (26), दिल्ली के घिटोरनी निवासी सोनू मीणा (30), राजस्थान के दौसा निवासी सचिन कुमार मीणा (20), हरियाणा के नूंह निवासी मोहम्मद कैफ (21) और उत्तर प्रदेश के मेरठ निवासी मोहम्मद रिहान (20) के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से पांच अवैध हथियार, 10 जिंदा कारतूस, शहजाद भट्टी नेटवर्क से जुड़े सदस्य आबिद जट्ट के पोस्टर तथा पुलिसकर्मियों को धमकी देने और उनकी रेकी से संबंधित वीडियो सहित अन्य आपत्तिजनक सामग्री बरामद की है। स्पेशल सेल के अनुसार, आरोपियों को दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में कथित संगठन 'तहरीक-ए-तालिबान हिंदुस्तान' के समर्थन में कलाकृतियां बनाने, पाकिस्तान स्थित हैंडलरों के पोस्टर लगाने और पुलिसकर्मियों पर हमले की तैयारी करने के निर्देश दिए गए थे।

बीड़ कालवा की महिलाओं की जिद से युवतियां और फुटबॉल को मिली दिशा : विश्राम कुमार मीणा

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने फुटबाल लीग के दो मैचों को देखकर खिलाड़ियों का बढ़ाया हौसला

खेलों के साथ पढ़ाई भी जरूरी, प्रशासन हर संभव मदद के लिए तैयार

» अश्विनी वालिया

कुरुक्षेत्र, यूटर्न/ 17 जून । उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि बीड कालवा गांव की महिलाओं की जिद से युवतियां और फुटबॉल खेल को दिशा मिली है, जहां पर माताएं किसी भी लक्ष्य को तय कर लें, वहां पर सिर्फ कामयाबी ही होती है। ऐसा ही निर्णय बीड कालवा गांव की महिलाओं ने अपने बच्चों को फुटबॉल खेलने के लिए लिया है। पहले इन्होंने अपने बच्चों को खेलने के लिए मदद की, फिर खेल के मैदान का पाने के लक्ष्य को हासिल किया, इसके बाद गांव में फुटबॉल खेल अकादमी खुलवाई और अब लीग करवाई जा रही है।

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा गांव बीड़ कालवा में बोल रहे हैं। बीड कालवा गांव के राजीव गांधी खेल स्टेडियम में फुटबॉल की टीमों के बीच लीग चली हुई है। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने खिलाड़ियों से परिचय लिया और खेल के बारे में जानकारी हासिल की। गांव बीड़ कालवा, कालवा सहित साथ लगते तीनों गांव में करीब 100 युवा युवतियां फुटबॉल खेल रही हैं। इस लीग को आईएसजीईसी हेवी इंजीनियरिंग लिमिटेड ने स्पॉन्सर किया गया। कंपनी की तरफ से खिलाड़ियों को खेल किट वितरित की गई। इसके साथ ही लीग को सफल बनाने में सहयोग करने वालों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि युवाओं को पढ़ाई के साथ-साथ खेलों में भी रुचि लेनी चाहिए। इससे युवाओं को मानसिक, शारीरिक लाभ होगा। इसके साथ ही नशे जैसी बुरी लत से छुटकारा मिलेगा। हर वर्ग के नागरिक को मैदान में जाने के लिए दिनभर में से कुछ समय जरूर निकालना चाहिए। उन्होंने कहा कि अंबाला में अंतरराष्ट्रीय स्तर का फुटबॉल स्टेडियम तैयार किया जा रहा है। उत्तरी भारत में पिछले कुछ समय में फुटबॉल को लेकर क्रेज बढ़ा है।

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि हर इंसान को अपनी सोच पॉजिटिव रखनी चाहिए। इसी सोच को लेकर यहां के फुटबॉल खिलाड़ियों को आगे बढ़ाना चाहिए। लगातार मैदान में रहकर ज्यादा से ज्यादा अभ्यास करें। ऐसा करने से सीढ़ी सीढ़ी आगे बढ़ाने का रास्ता मिलेगा। जल्द ही जिला की सभी नर्सरियों के खिलाड़ियों के बीच प्रतियोगिताएं करवाई जाएंगी। उन्होंने कहा कि मौजूदा समय में फीफा वर्ल्ड कप चला हुआ है। इसके साथ-साथ फुटबॉल की लीग होना, खिलाड़ियों का हौसला बढ़ा रहा है।

इस मौके पर अतिरिक्त उपायुक्त विवेक आर्य, पुलिस अधीक्षक चंद्र मोहन, उपमंडल अधिकारी अनुभव मेहता, डीएसपी निर्मल सिंह, जिला खेल अधिकारी मनोज, आईएसजीईसी यमुनानगर के एसोसिएट प्रेजिडेंट इंद्रनील देबनाथ, जीएम आरके भारद्वाज, डीडीपीओ विकास, बीडीपीओ विनोद कुमार सहित कोच, खिलाड़ी व गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

नवीन जिंदल फाउंडेशन ने सोंगल में लगाया निशुल्क मेडिकल शिविर आयोजित, 156 ग्रामीणों ने उठाया लाभ

» कलायत,यूटर्न/ 17 जून ।

समाजसेवा और जनकल्याण के उद्देश्य से नवीन जिंदल फाउंडेशन की ओर से सौंगल गांव में निशुल्क मेडिकल शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में ग्रामीणों को स्वास्थ्य संबंधी परामर्श, आवश्यक जांच तथा निशुल्क दवाइयां उपलब्ध करवाई गईं। फाउंडेशन की मेडिकल वैन के माध्यम से आयोजित शिविर में डॉ. बलिंद्र के नेतृत्व में स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करते हुए 140 लोगों को दवाइयां उपलब्ध करवाई गईं और 16 लोगों के लैब टेस्ट किए गए। शिविर के दौरान ग्रामीणों को स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता भी प्रदान की गई और समय-समय पर स्वास्थ्य जांच करवाने की सलाह दी गई। सांसद कार्यालय कैथल के प्रभारी रविंद्र धीमान ने कहा कि सांसद नवीन जिंदल का विजन है कि आम आदमी की पहुंच से दूर होती जा रही महंगी चिकित्सा से उन्हें राहत दिलाने के लिए लोगों को उनके घर के पास ही स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने बताया कि सांसद नवीन जिंदल की इस पहल का सबसे अधिक लाभ महिलाओं और बुजुर्गों को मिल रहा है। जो बड़े अस्पतालों के चक्कर नहीं काट सकते। मुफ्त दवाई देने के साथ-साथ टीम लैब टेस्ट करके लोगों को समय रहते बीमारी से जागरुक रहने के लिए भी प्रेरित करती हैं। इसके साथ-साथ टीम में शामिल महिला स्टाफ गर्भवती महिलाओं एवं युवतियों को संतुलित आहार के बारे में जानकारी देने के साथ-साथ उनके शरीर में कैल्शियम, प्रोटीन और विटामिन आदि की मात्रा को चेक करता है। लोगों को उचित खान-पान और शरीर में पनप रही बीमारी के संकेत पहचान के बारे में भी अवगत किया जाता है।

उन्होंने ग्रामीणों को नवीन जिंदल यशस्वी छात्रवृत्ति योजना की भी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस योजना का उद्देश्य मेधावी एवं जरूरतमंद विद्यार्थियों को शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए आर्थिक सहयोग प्रदान करना है। पात्र विद्यार्थी योजना का लाभ लेकर अपनी उच्च शिक्षा के सपनों को साकार कर सकते हैं।

शराब तस्करी के अलग अलग 4 मामलों में 4 आरोपी 411 बोतल शराब सहित काबू

थाना कलायत पुलिस द्वारा स्विफ्ट गाड़ी 30 पेटी शराब सहित गाड़ी जब्त

» रवि जैस्ट

कलायत, यूटर्न/ 17 जून । एसपी मनप्रीत सिंह सूदन के आदेशानुसार जिला कैथल पुलिस अवैध शराब का धंधा करने वाले अपराधियों पर कार्रवाई करते हुए अलग अलग 4 मामलों में 4 आरोपियों को 411 बोतल शराब सहित काबू कर लिया गया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि थाना कलायत एसएचओ पीएसआई अमन की अगुवाई में एएसआई बलजोर व सिपाही सुनील की टीम दोपहर के समय गश्त दौरान गांव खरक से सजूमा रोड़ हाईवे पुल के नीचे मौजूद थे। तभी एक सफेद रंग की स्विफ्ट गाड़ी गांव सजूमा की तरफ से आती हुई दिखाई दी जिसे रुकने का इशारा कर गाड़ी की तलाशी ली गई। तलाशी दौरान गाड़ी से 23 पेटी देशी बोतल , 2 पेटी देशी पव्वे, 2 पेटी देशी आधा व 3 पेटी बीयर से कुल 360 बोतल शराब बरामद हुई। आरोपी गाड़ी चालक की पहचान गांव खरक पांडवा निवासी जसमेर के रुप में हुई।

दूसरे मामले में थाना कलायत पुलिस के एएसआई बलजोर की टीम को रात्रिकालीन गस्त दौरान गांव मटौर से बढसीकरी रोड़ पर मौजूद थी। तभी एक बाइक सवार तेज रफ्तार में उनके पास से बाइक की टंकी पर कुछ सामान रखकर निकला। जिससे पुलिस टीम ने संदिग्ध का पीछा करके बाइक सवार को काबू कर लिया गया। जिसकी पहचान गांव बढसीकरी खुर्द निवासी दीपक के रूप में हुई। जांच दौरान तेल की टंकी पर रखी गत्ता पेटी से 16 बोतल देशी शराब बरामद हुई। तीसरे मामले में थाना राजौंद पुलिस के एसआई महिपाल की टीम द्वारा गांव सेरधा निवासी बलिन्द्र सिंह के मकान पर दबिश देकर आरोपी बलिन्द्र को काबू कर लिया गया। जांच दौरान आरोपी के मकान से 14 बोतल देशी शराब बरामद हुई। अन्य मामले में थाना चीका पुलिस के एएसआई विकास कुमार की टीम द्वारा एक गुप्त सूचना के आधार पर सत्संग भवन चीका के पास नाकाबंदी करके पैदल आए संदिग्ध वार्ड नं 4 चीका निवासी बुटा सिंह को काबू कर लिया गया। जांच दौरान आरोपी के कब्जे में प्लास्टिक कट्टे में 20 बोतल हथकड़ी शराब बरामद हुई।

फोन की स्क्रीन से लेकर समाज तक फैलता उन्माद

हमारा वो आपसी भरोसा टूट रहा है जो बरसों से साथ रहने से बना था। यह जहरीली बातें सिर्फ स्क्रीन तक सीमित नहीं रहतीं, ये धीरे-धीरे हमारे दिमाग में घर कर जाती हैं। जब हम रोज सुबह-शाम अपने फोन पर नफरत भरा कचरा देखेंगे, तो अनजाने में हमारे भीतर भी सामने वाले के लिए शक पैदा होने लगेगा। सड़क पर चलते हुए हम अपनों को भी शक की निगाह से देखने लगते हैं। अदालतें चिल्ला रही हैं, पुलिस भी कभी-कभार पकड़-धकड़ करती है, लेकिन सिर्फ कानून के भरोसे बैठना बेवकूफी होगी।

दिलीप कुमार पाठक

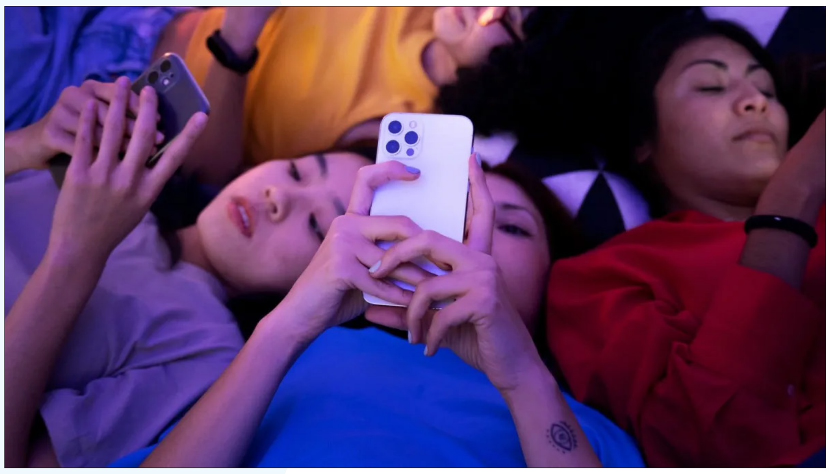

रोज सुबह आँख खुलते ही हम सबसे पहले क्या करते हैं? तकिए के नीचे से फोन निकालते हैं और वॉट्सऐप या फेसबुक स्क्रॉल करने लगते हैं। लेकिन पिछले कुछ समय से सुबह-सुबह मूड फ्रेश होने की बजाय दिमाग खराब हो जाता है। स्क्रीन पर कोई न कोई ऐसा वीडियो या पोस्ट दिख ही जाती है, जहाँ लोग एक-दूसरे को गाली दे रहे होते हैं। कोई धर्म के नाम पर लड़ रहा है, कोई जाति के नाम पर, तो कोई अपनी पसंदीदा राजनीतिक पार्टी के चक्कर में सामने वाले को नीचा दिखा रहा है। पढ़े-लिखे लोग इसे हेट स्पीच कहते हैं, पर सीधी भाषा में कहें तो यह सीधे-सीधे नफरत फैलाना और समाज में जहर घोलना है। कभी सोचा है कि जो भाषा हम अपनों से बात करने के लिए इस्तेमाल करते थे, वो आज दूसरों को जख्म देने का औजार कैसे बन गई? अरे भाई, सीधा सा हिसाब है - आज नफरत का एक बहुत बड़ा धंधा चल रहा है। पुराने जमाने में अगर दो लोगों की लड़ाई होती थी, तो मोहल्ले के चार लोग आकर बीच-बचाव कर देते थे और बात वहीं रफा-दफा हो जाती थी। लेकिन आज इंटरनेट और स्मार्टफोन के दौर में कहानी बदल चुकी है। अब किसी ने बंद कमरे में बैठकर कैमरे के सामने कोई भड़काऊ बात बोली, सोशल मीडिया पर डाली, और चंद सेकंड में वो वीडियो देश के कोने-कोने में बैठे करोड़ों लोगों के फोन तक पहुँच गया। सोशल मीडिया कंपनियाँ भी कमाल हैं, उनके कंप्यूटर प्रोग्राम यानि एल्गोरिदम को इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि देश में शांति है या नहीं। उन्हें बस फायदा देखना है। जिस पोस्ट पर लोग जितना ज्यादा गुस्सा करेंगे, गाली-गलौज वाले कमेंट लिखेंगे, वो पोस्ट उतनी ही ज्यादा वायरल होगी। यानी जितनी ज्यादा नफरत, उतना ज्यादा मुनाफा। पर इस पूरी नौटंकी में पिस कौन रहा है? हम और आप। हमारा वो आपसी भरोसा टूट रहा है जो बरसों से साथ रहने से बना था। यह जहरीली बातें सिर्फ स्क्रीन तक सीमित नहीं रहतीं, ये धीरे-धीरे हमारे दिमाग में घर कर जाती हैं। जब हम रोज सुबह-शाम अपने फोन पर नफरत भरा कचरा देखेंगे, तो अनजाने में हमारे भीतर भी सामने वाले के लिए शक पैदा होने लगेगा। सड़क पर चलते हुए हम अपनों को भी शक की निगाह से देखने लगते हैं। अदालतें चिल्ला रही हैं, पुलिस भी कभी-कभार पकड़-धकड़ करती है, लेकिन सिर्फ कानून के भरोसे बैठना बेवकूफी होगी। पुलिस तो तब आएगी जब दंगा हो चुका होगा या किसी का सिर फूट चुका होगा। लेकिन जो जहर लोगों के दिलों में घुल चुका है, उसे साफ करने के लिए कोर्ट की कोई धारा काम नहीं आएगी। इस बीमारी का इलाज डॉक्टर के पास नहीं, हमारे खुद के पास है। हमें अपनी उंगलियों पर थोड़ा कंट्रोल रखना होगा। जब भी फोन पर कोई ऐसा मैसेज आए जिसे पढ़कर गुस्सा आए या जो किसी समाज के खिलाफ हो, तो उसे आगे फॉरवर्ड करने की बजाय वहीं डिलीट मार दें।

हमारी एक छोटी सी समझदारी किसी बड़ी अनहोनी को टाल सकती है। हर वायरल होने वाली चीज को सच मत मानिए, थोड़ा रुककर सोचिए कि इसे फैलाने वाले का क्या फायदा है। दुनिया में हर इंसान एक जैसा नहीं सोच सकता, और यही खूबसूरती है। लेकिन अलग राय होने का मतलब यह नहीं कि हम लाठियां उठा लें या जबान से तीर चलाएं। बात ऐसी होनी चाहिए जो दिलों को जोड़े, न कि दीवारें खड़ी करे। अगली बार जब फोन पर अंगूठा चलाएं, तो याद रखें कि उस पार भी हमारी ही तरह हाड़-मांस का एक इंसान बैठा है।

शब्दों की नागरिकता पर बहस क्यों?

संदीप शर्मा

हाल ही में सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक पॉडकास्ट ने फिर वही पुरानी बहस छेड़ दी। पॉडकास्ट में दावा किया गया कि आम बोलचाल में इस्तेमाल होने वाला शब्द 'औरत' अरबी मूल का है और अरबी में इसके कुछ ऐसे अर्थ रहे हैं जिन्हें आज के संदर्भ में अच्छा नहीं माना जाता। देखते ही देखते वीडियो पर लाखों व्यूज, हजारों टिप्पणियाँ और अंतहीन बहस शुरू हो गई। लेकिन इस पूरे विवाद ने एक और सवाल खड़ा कर दिया। क्या किसी शब्द की उत्पत्ति मात्र से उसकी वर्तमान पहचान तय हो जाती है?

समस्या यह नहीं है कि ऐसे पॉडकास्ट शब्दों की उत्पत्ति बताते हैं। समस्या तब शुरू होती है जब किसी शब्द की विदेशी जड़ों को उसकी वैधता या स्वीकार्यता पर सवाल उठाने का आधार बना दिया जाता है। मानो किसी भाषा में दूसरे स्रोत से आए शब्द उसकी शुद्धता पर धब्बा हों। जरा अपनी रोजमर्रा की भाषा पर नजर डालिए। हम मकान में रहते हैं, कमरे में बैठते हैं, दीवार के सहारे टिकते हैं, बाल्टी में पानी भरते हैं और बाल संवारते हैं। हममें से कितने लोग इन शब्दों की उत्पत्ति के बारे में सोचते हैं? कुछ शब्द अरबी से आए, कुछ फारसी से, कुछ पुर्तगाली से, कुछ तुर्की से, कुछ संस्कृत से और कुछ भारतीय भाषाओं से। भाषाएं हमेशा एक-दूसरे से शब्द उधार लेती रही हैं। व्यापार, प्रवास, युद्ध, संस्कृति और सह-अस्तित्व-इन सबने शब्दों को सीमाओं के पार पहुंचाया है। अंग्रेजी, जिसे कई लोग एक स्वतंत्र और विशुद्ध भाषा मानते हैं, दुनिया की सबसे बड़ी उधारकर्ता भाषाओं में से एक है। उसने फ्रेंच, लैटिन, ग्रीक, अरबी, फारसी, हिंदी, उर्दू, संस्कृत, स्पेनिश और इटालियन समेत दर्जनों भाषाओं से शब्द लिए हैं। 'शैंपू', 'बंगला', 'पंडित', 'पायजामा' और 'बरामदा' जैसे शब्द भारतीय उपमहाद्वीप से अंग्रेजी में पहुंचे। अंग्रेजी बोलने वालों को इससे कोई संकट महसूस नहीं होता। लेकिन सोशल मीडिया की दुनिया में सूक्ष्मता नहीं, सनसनी बिकती है। कोई पॉडकास्टर खोज निकालता है कि 'औरत' शब्द अरबी से आया है। यह जानकारी अपने आप में गलत नहीं है। लेकिन इसके बाद वह निष्कर्ष निकालता है कि क्योंकि सदियों पहले किसी दूसरी भाषा में इस शब्द का एक खास अर्थ था, इसलिए आज हिंदी-उर्दू में इसके प्रयोग पर भी सवाल उठना चाहिए। यहीं से भाषाविज्ञान खत्म होता है और क्लिकबेट शुरू हो जाता है। शब्द समय के साथ बदलते हैं। उनके अर्थ विकसित होते हैं, सिमटते हैं, फैलते हैं और कई बार पूरी तरह बदल जाते हैं। अंग्रेजी का 'नाइस' शब्द कभी मूर्ख या अज्ञानी व्यक्ति के लिए इस्तेमाल होता था। 'विलेन' मूल रूप से खेतों में काम करने वाले व्यक्ति को कहा जाता था। आज कोई भी इन शब्दों का मूल्यांकन उनके सदियों पुराने अर्थों के आधार पर नहीं करता। इसी तरह हिंदी-उर्दू में 'औरत' का अर्थ वही है जो आज करोड़ों लोग उससे समझते हैं, न कि वह जो किसी अन्य समाज या कालखंड में रहा होगा। भाषा के बारे में होने वाली ऐसी बहसें अक्सर एक बुनियादी सच को नजरअंदाज कर देती हैं। भाषा कोई संग्रहालय की वस्तु नहीं है। वह एक जीवित व्यवस्था है। एक बार कोई शब्द किसी भाषा में प्रवेश कर जाए तो वह वहां के समाज, संस्कृति और अनुभवों का हिस्सा बन जाता है। उसके अर्थ और पहचान का निर्धारण उसके वर्तमान प्रयोग से होता है। विडंबना यह है कि ऐसे पॉडकास्ट शायद ही कभी यह बताते हैं कि भाषाई उधारी कोई अपवाद नहीं, बल्कि सामान्य नियम है। हिंदी में संस्कृत, प्राकृत, फारसी, अरबी, तुर्की, पुर्तगाली और अंग्रेजी की परतें मौजूद हैं। तमिल ने भी संस्कृत और अंग्रेजी से शब्द ग्रहण किए हैं। अंग्रेजी ने तो लगभग पूरी दुनिया से शब्द उधार लिए हैं। भाषाओं का इतिहास दरअसल मानव सभ्यता के आपसी संपर्क का इतिहास है। सच यह है कि ऐसे वीडियो अक्सर शिक्षा से ज्यादा उत्तेजना पैदा करने के लिए बनाए जाते हैं। साधारण भाषाई तथ्यों को चौंकाने वाले खुलासों की तरह पेश किया जाता है ताकि विवाद पैदा हो, टिप्पणियां आएं और व्यूज बढ़ें। दर्शकों को लगता है कि उन्होंने कोई बड़ा रहस्य खोज लिया है, जबकि वे केवल भाषा के सबसे सामान्य और स्वाभाविक नियम से परिचित हुए होते हैं। भाषा पर परिपक्व विमर्श का उद्देश्य दीवारें खड़ी करना नहीं, पुल बनाना है। हर उधार लिया गया शब्द इस बात का प्रमाण है कि संस्कृतियां मिलीं, एक-दूसरे को प्रभावित किया और कुछ नया रचा। असली कहानी यह नहीं है कि कोई शब्द कहां से आया था। असली कहानी यह है कि सदियों की यात्रा के बाद वह हमारा कैसे बन गया।

संत की उदारता

विख्यात संत एकनाथ जी 12 वर्ष की अवस्था में ही अपने गुरु जनार्दन स्वामी के पास देवगढ़ पहुंच गए थे। गुरु ने उन्हें आश्रम के हिसाब-किताब का काम सौंप दिया। एक दिन जब एकनाथ जी ने हिसाब और रोकड़ का काम किया तो एक पाई की कमी नजर आई। खूब सोचने के बाद आखिरकार उन्हें आधी रात को एक पाई का हिसाब मिल गया तो उन्होंने उसी समय अपने गुरुजी को जाकर यह बात बताई। इस पर गुरु हंसे फिर बोले- बेटा! एक पाई की भूल मिलने से तुम इतने प्रसन्न हो और इस संसार के मायाजाल जैसी महाभूल को अपनाए हुए हो। इस पर कभी सोचा है? यह सुनते ही एकनाथ जी के भीतर वैराग्य जागा और दुनिया के कामकाज से उनका मोहभंग हो गया। उन्होंने उसी समय सब कुछ छोड़ देने का फैसला किया। वे अपने गुरु से दीक्षा लेकर पर्वत पर जाकर तपस्या करने लगे। तपस्या के बाद वे अपनी जन्मभूमि के निकट पिपलेश्वर महादेव में रहने लगे। पर थोड़े ही समय बाद वे विवाह कर गृह संन्यासी बन गए। एकनाथ जी ने गुरू के आदेश का पालन किया। विवाह के बाद उनके घर में नित्य कीर्तन होता और अन्न वितरण किया जाता। एक दिन कीर्तन में कुछ चोर आ गए। उन्होंने घर का सभी सामान समेट लिया। फिर उन्होंने देवमूर्ति के आभूषण चुराने का प्रयास किया। वहीं एकनाथ जी ध्यानमग्न बैठे थे। उन्होंने चोरों से कहा- तुम्हें इनकी बहुत अधिक आवश्यकता होगी अन्यथा इतनी रात गए भला कोई जोखिम क्यों उठाता? तुम सब मुसीबत के मारे लगते हो। चिंता मत करो। मुझसे जो मदद होगी, मैं करूंगा। यह कहते हुए उन्होंने अपनी उंगली की अंगूठी भी उतार कर उन्हें दे दी। यह देख चोर लज्जित हुए। वे एकनाथ जी के चरणों में गिर गए और उन्होंने कभी चोरी न करने का संकल्प लिया।

अमेरिका-ईरान समझौते का वैश्विक व्यवस्था और भारत पर प्रभाव

राज कुमार सिन्हा

अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध विराम और शांति समझौता वैश्विक अर्थव्यवस्था, कूटनीति और मध्य-पूर्व की भू-राजनीति को गहराई से प्रभावित करेगी। होर्मुज जलडमरूमध्य से तेल और गैस की निर्बाध आपूर्ति बहाल होने से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तत्काल गिरावट आएगी, जिससे वैश्विक मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी। समुद्री मार्ग के खुलने से अंतरराष्ट्रीय व्यापार और सप्लाई चेन की बाधाएं दूर होगी, जिससे एशियाई और यूरोपीय अर्थव्यवस्थाओं को आर्थिक स्थिरता मिलेगी। भारत, चीन और जापान जैसे बड़े तेल आयातक देशों को राजकोषीय घाटा कम करने और अपनी मुद्रा को मजबूत करने में मदद मिलेगी। भारत अपनी जरूरत का 80 फिसदी से अधिक कच्चा तेल आयात करता है। युद्ध विराम से अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड की कीमतें नीचे आएंगी, जिससे भारत का आयात बिल कम होगा और राजकोषीय घाटा नियंत्रित रहेगा। भारत का अधिकांश तेल और एलपीजी होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते आता है। युद्ध विराम से इस समुद्री मार्ग पर हमलों का खतरा खत्म हो जाएगा, जिससे भारत को बिना किसी रुकावट के ईंधन की आपूर्ति होती रहेगी। फारस की खाड़ी में तनाव कम होने से जहाजों का बीमा प्रीमियम घटेगा। इससे भारतीय तेल कंपनियों की लॉजिस्टिक्स लागत कम होगी और देश में पेट्रोल-डीजल के दाम स्थिर रखने में मदद मिलेगी। यदि इस युद्ध विराम के बाद भविष्य में ईरान पर लगे अमेरिकी प्रतिबंध पूरी तरह हटते हैं, तो भारत दोबारा ईरान से सस्ते और रियायती दरों पर कच्चे तेल का आयात शुरू कर सकता है, जो भारत के लिए एक बड़ा रणनीतिक फायदा होगा। 26 अप्रैल 2026 को भारत के लिए अमेरिकी प्रतिबंधों के समाप्त होने के बाद से चाबहार बंदरगाह प्रोजेक्ट गहरे संकट में था। इस नए युद्ध विराम समझौते से भारत के लिए नई उम्मीदें जगी है। प्रतिबंधों की अवधि खत्म होने के बाद भारत ने वहां से अपने कुछ कर्मचारी हटा लिए थे और अपने निवेश को सुरक्षित करने के लिए वेट एंड वॉच की नीति अपनाई थी। युद्ध विराम के बाद भारत इस रणनीतिक बंदरगाह पर कार्गो संचालन को फिर से पूरी तरह शुरू करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। चाबहार बंदरगाह पाकिस्तान को बाईपास करके अफगानिस्तान और मध्य एशिया तक पहुंचने का भारत को सीधा रास्ता देता है। शांति समझौते के कारण समुद्री मार्गों पर तनाव खत्म होने से भारत का यह महत्वाकांक्षी व्यापारिक कॉरिडोर एक बार फिर सुरक्षित और सक्रिय हो जाएगा। भारत को मध्य एशिया और अफगानिस्तान तक पहुंचने के लिए पाकिस्तान के जमीनी रास्ते की जरूरत नहीं रहेगी। मुंबई या कंडला बंदरगाह से सामान सीधे ओमान की खाड़ी के रास्ते ईरान के चाबहार बंदरगाह पहुंचेगा, जिससे दूरी और समय दोनों में भारी बचत होगी। चाबहार बंदरगाह को इंटरनेशनल नॉर्थ-साउथ ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर से जोड़ा जा रहा है। इसके जरिए भारतीय सामान ईरान के रेलवे नेटवर्क का उपयोग करके कैस्पियन सागर और वहां से सीधे रूस व यूरोप तक पहुंच सकेगा। यह मार्ग पारंपरिक स्वेज नहर मार्ग की तुलना में 30 फिसदी सस्ता और 40 प्रतिशत तेजी से पहुंचेगा। संघर्ष विराम से पूरे खाड़ी क्षेत्र में तनाव कम होगी, जिससे व्यापक युद्ध की आशंका टलेगी। लेबनान, यमन और इराक जैसे देशों में परोक्ष युद्धों के थमने की संभावनाएं बनेगी। सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात जैसे देश इस युद्ध विराम का स्वागत किया है क्योंकि उनका ध्यान अपनी अर्थव्यवस्थाओं पर है, जिसके लिए क्षेत्रीय शांति अनिवार्य है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिका- ईरान में जंग खत्म करने पर बनी सहमति का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि जंग से दुनिया भर में गंभीर आर्थिक परेशानी पैदा हुई है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने अमेरिका और ईरान के बीच हुए इस युद्ध विराम का पुरजोर स्वागत किया है और इसे मध्य-पूर्व में एक बड़े क्षेत्रीय युद्ध को टालने की दिशा में बेहद महत्वपूर्ण कदम बताया है। संयुक्त राष्ट्र संघ ने मांग की है कि इस शांति काल का उपयोग संघर्ष प्रभावित क्षेत्रों में बिना किसी बाधा के मानवीय सहायता, भोजन और चिकित्सा आपूर्ति पहुंचाने के लिए किया जाना चाहिए।संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने सभी क्षेत्रीय देशों से संयम बरतने और अंतरराष्ट्रीय समुद्री कानूनों का सम्मान करने की अपील की है ताकि वैश्विक व्यापारिक जहाज सुरक्षित आ-जा सकें।संयुक्त राष्ट्र ने दोनों पक्षों से आग्रह किया है कि वे इस अस्थाई युद्ध विराम का उपयोग एक दीर्घकालिक और स्थायी राजनयिक समाधान खोजने के लिए करें।आगामी 19 जून को 60 दिनों के अस्थायी युद्ध विराम को एक स्थायी अंतरराष्ट्रीय संधि में बदलने के लिए स्विट्जरलैंड में एक उच्च स्तरीय शिखर सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है।

संक्षिप्त खबरें

क्रेटा ने दर्ज की 15,235 यूनिट्स की शानदार बिक्री

नई दिल्ली, यूटर्न/ 17 जून । मई 2026 की बिक्री रिपोर्ट ने मिड-साइज एसयूवी सेगमेंट को लेकर बाजार की बदलती तस्वीर को उजागर किया है। बीते मई माह में क्रेटा ने 15,235 यूनिट्स की शानदार बिक्री दर्ज की, जो पिछले साल की तुलना में 2.52 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाती है, और इसने शीर्ष स्थान हासिल किया। सभी को पीछे छोड़ते हुए, हुंडई क्रेटा ने इस सेगमेंट में अपनी बादशाहत कायम रखी है। बिक्री सूची में दूसरे पायदान पर मारुति सुजुकी की नई एसयूवी विक्टोरिस रही, जिसने 10,853 यूनिट्स की बिक्री के साथ अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई। इसके बाद, किआ सेल्टोस ने 10,597 यूनिट्स बेचकर तीसरा स्थान प्राप्त किया, जिसमें सालाना आधार पर 74.24 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि देखी गई। चौथे नंबर पर मारुति सुजुकी ग्रैंड विटारा रही, जिसकी बिक्री में 80.22 प्रतिशत की जबरदस्त सालाना बढ़ोतरी हुई और इसने 9,366 यूनिट्स बेचीं।

खाड़ी में तनाव कम हुआ, आपकी जेब को मिलेगी राहत

नई दिल्ली, यूटर्न/ 17 जून । जब अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध जैसी स्थिति ने खाड़ी देशों में तनाव बढ़ाया था, तब इसका सीधा असर भारत की अर्थव्यवस्था और आम आदमी की जेब पर पड़ा था। कच्चे तेल, गैस और आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान के चलते पेट्रोल-डीजल से लेकर दूध और हवाई टिकट तक सब कुछ महंगा हो गया था। लेकिन अब जैसे-जैसे यह भू-राजनीतिक संकट खत्म हो रहा है, भारत में महंगाई पर लगाम लगने और कई आवश्यक वस्तुओं व सेवाओं के दाम घटने की उम्मीद है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि खाड़ी में शांति का सबसे बड़ा फायदा ऊर्जा क्षेत्र को मिलेगा।

बिगबास्केट के सीईओ ने दिया इस्तीफा, अमित नंदा को मिली जिम्मेदारी

नंदा इससे पहले ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन में कई सालों तक कर चुके हैं काम

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 17 जून ।

ऑनलाइन ग्रॉसरी कंपनी बिग बास्केट के को-फाउंडर हरि मेनन ने कंपनी के सीईओ पद से इस्तीफा दे दिया है। यह बदलाव ऐसे समय में हुआ है जब क्विक कॉमर्स के मार्केट में कड़ा कॉम्पिटिशन चल रहा है। अब हरि मेनन की जगह अमित नंदा सीईओ की जिम्मेदारी संभालेंगे। अमित नंदा इससे पहले ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन में कई सालों तक

काम कर चुके हैं। बता दें अमित नंदा ने दिल्ली कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग से मैकेनिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई की है। इसके बाद उन्होंने देश के आईआईएम अहमदाबाद से 1999-2001 के दौरान मैनेजमेंट में पोस्टग्रेजुएट डिग्री हासिल की और पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने कॉर्पोरेट दुनिया में अपना करियर शुरू किया। अमित नंदा ने अपने करियर के शुरूआती सालों में हिंदुस्तान यूनिलीवर और सिटीबैंक जैसी बड़ी कंपनियों में काम किया। यहां उन्होंने ब्रांड मैनेजमेंट, मार्केटिंग, कंज्यूमर बिजनेस और डिजिटल कॉमर्स से जुड़े कई अहम पदों पर जिम्मेदारियां संभालीं। इससे उन्हें उपभोक्ताओं की जरूरतों और बड़े कारोबार को चलाने की गहरी समझ मिली। बिगबास्केट से जुड़ने से पहले अमित नंदा अमेजन इंडिया का हिस्सा रहे। इस दौरान उन्होंने मार्केटप्लेस, प्रोडक्ट, टेक्नोलॉजी और प्राइवेट ब्रांड्स जैसे कई अहम विभागों का नेतृत्व किया।

दो दशक से ज्यादा के अनुभव के साथ अमित नंदा बिगबास्केट के नए सीईओ के रूप में कंपनी की कमान संभालेंगे। उनकी जिम्मेदारी क्विक कॉमर्स कारोबार को मजबूत करना, नई कैटेगरी में विस्तार करना और बिजनेस में इनोवेशन को बढ़ावा देना होगी।

पीएम मोदी 19 जून को विकसित भारत रोजगार योजना के तहत 2,400 करोड़ की प्रोत्साहन राशि करेंगे जारी

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 17 जून ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 19 जून (शुक्रवार) को आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना (पीएम-वीबीआरवाई) के तहत लगभग 2,400 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन राशि जारी करेंगे। इसकी घोषणा बुधवार को प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) की ओर से की गई।

पीएमओ के अनुसार, योजना की शुरूआत के बाद से अब तक देशभर में लगभग 15 लाख रोजगार अवसरों के सृजन में सहायता मिली है। इस योजना का उद्देश्य कर्मचारियों और नियोक्ताओं दोनों को औपचारिक अर्थव्यवस्था से जोड़ने के लिए प्रोत्साहित करना है।

योजना के तहत पहली बार नौकरी पाने वाले कर्मचारियों को 15,000 रुपये तक की प्रोत्साहन राशि दी जाती है, जिससे उन्हें रोजगार की शुरूआत में आर्थिक सहायता मिल सके। वहीं, अतिरिक्त रोजगार सृजित करने वाले नियोक्ताओं को प्रत्येक नए कर्मचारी पर प्रति माह 3,000 रुपये तक का प्रोत्साहन दिया जाता है, ताकि रोजगार सृजन को बढ़ावा मिल सके।

सरकार ने विनिर्माण (मैन्युफैक्चरिंग) क्षेत्र को आर्थिक विकास का प्रमुख आधार मानते हुए इस क्षेत्र के नियोक्ताओं को चार वर्षों तक प्रोत्साहन देने का प्रावधान किया है। अन्य क्षेत्रों के नियोक्ताओं को दो वर्षों तक यह

लाभ मिलेगा।

सरकार का कहना है कि यह योजना रोजगार आधारित विकास को बढ़ावा देने और आर्थिक प्रगति का लाभ युवाओं तक गुणवत्तापूर्ण औपचारिक रोजगार के रूप में पहुंचाने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

99,446 करोड़ रुपये के कुल परिव्यय वाली यह योजना अगस्त 2025 से लागू हुई थी। इसका लक्ष्य दो वर्षों में 3.5 करोड़ से अधिक रोजगार अवसरों का सृजन करना है।

सरकार के अनुसार, योजना के कुल लक्षित लाभार्थियों में लगभग 1.92 करोड़ ऐसे युवा शामिल होंगे, जो पहली बार औपचारिक रूप से नौकरी करना शुरू करेंगे।

सरकार का मानना है कि यह योजना औपचारिक रोजगार के विस्तार, सामाजिक सुरक्षा कवरेज को मजबूत करने और श्रमिकों एवं नियोक्ताओं दोनों को सहयोग देकर विकसित भारत के लक्ष्य को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

हुंडई की लोकप्रिय हैचबैक नई आई20 ब्राजील में लांच

नई दिल्ली, यूटर्न/ 17 जून । ब्राजील में अपनी लोकप्रिय हैचबैक, नई आई20 कार को हुंडई ने लॉन्च कर दिया है। यह नया मॉडल पूरी तरह बदले हुए लुक, उन्नत तकनीक और ई30 इथेनॉल-ब्लेंडेड पेट्रोल को सपोर्ट करने वाले इंजन विकल्पों के साथ आया है। के3 प्लेटफॉर्म पर बनी इस कार की शुरूआती कीमत लगभग 18.78 लाख रुपये है। कंपनी इसे दो इंजन और गियरबॉक्स विकल्पों में पेश कर रही है, जो दोनों ही ई30 इथेनॉल मिश्रण वाले पेट्रोल को समर्थन देते हैं। यह खबर कुमार प्रशांत सिंह द्वारा 14 जून, 2026 को लाइव हिन्दुस्तान पर प्रकाशित की गई थी। नई आई20 का एक्सटीरियर पहले से कहीं अधिक बोल्ड और आधुनिक है। 4,130 मिमी की लंबाई और 1,780 मिमी की चौड़ाई के साथ, यह भारत में मौजूदा तीसरी पीढ़ी की आई20 से बड़ी है। इसमें वेरिएंट के अनुसार 15, 16 और 17 इंच के व्हील्स मिलते हैं, जबकि कनेक्टेड एलईडी लाइट बार फ्रंट और रियर को एक फ्यूचरिस्टिक लुक देते हैं। एसयूवी जैसा एहसास देने के लिए बंपर और व्हील आर्च पर ब्लैक बॉडी क्लैडिंग का इस्तेमाल किया गया है। इंटीरियर की बात करें तो, नई आई20 ज्यादा प्रैक्टिकल और प्रीमियम हो गई है, जिसमें 346 लीटर का बूट स्पेस मिलता है, जो मौजूदा मॉडल से 35 लीटर अधिक है। केबिन में हुंडई का लेटेस्ट स्टीयरिंग व्हील, डुअल डिजिटल डिस्प्ले, वायरलेस चार्जिंग, वायरलेस एप्पल कारप्ले और एंड्रॉइड ऑटो जैसे आधुनिक फीचर्स स्टैंडर्ड दिए गए हैं। उच्च वेरिएंट्स में 10.25-इंच का टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, ऑटोमैटिक क्लाइमेट कंट्रोल, रियर एसी वेंट्स और पैडल शिफ्टर्स (ऑटोमैटिक वेरिएंट्स में) जैसी सुविधाएँ शामिल हैं।

टेलीग्राम पर अस्थायी प्रतिबंध से भारत के 15 करोड़ से अधिक यूजर्स प्रभावित: पावेल डुरोव

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 17 जून ।

टेलीग्राम के संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) पावेल डुरोव ने कहा है कि राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) 2026 की पुनर्परीक्षा से पहले भारत में मैसेजिंग प्लेटफॉर्म पर लगाए गए अस्थायी प्रतिबंध से 15 करोड़ से अधिक यूजर्स प्रभावित हुए।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में डुरोव ने कहा कि भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने एक सप्ताह के लिए टेलीग्राम पर प्रतिबंध लगाया, क्योंकि कुछ यूजर्स कथित तौर पर परीक्षा के लीक हुए प्रश्न साझा कर रहे थे। इससे भारत में टेलीग्राम के 15 करोड़ से अधिक यूजर्स प्रभावित हुए। उन्होंने आगे कहा कि टेलीग्राम ने पिछले कुछ हफ्तों में सैकड़ों ऐसे चैनलों को हटा दिया है, जिन पर भारत में कथित रूप से परीक्षा से संबंधित लीक सामग्री साझा करने और उससे जुड़े घोटाले चलाने के आरोप थे। डुरोव ने यह भी कहा कि कंपनी संदेशों पर दिखाई देने वाले 'एडिटेड' लेबल को और अधिक स्पष्ट बनाने पर काम कर रही है, ताकि पुराने समय की मुहर (टाइमस्टैम्प) बदलकर किए जाने वाले धोखाधड़ी और सामग्री में हेरफेर को रोका जा सके। उनकी यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब भारत सरकार ने 21 जून को होने वाली नीट-यूजी 2026 पुनर्परीक्षा के दौरान किसी भी तरह की गड़बड़ी रोकने के लिए 22 जून तक टेलीग्राम सेवाओं पर अस्थायी प्रतिबंध लगाने का आदेश दिया है। यह पुनर्परीक्षा 3 मई को आयोजित मूल परीक्षा के दौरान प्रश्नपत्र लीक होने के आरोपों के बाद कराई जा रही है। यह प्रतिबंध राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) की सिफारिशों के आधार पर लगाया गया था। एनटीए ही देश भर के मेडिकल स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए नीट परीक्षा आयोजित करती है।

सेबी की निवेशकों को चेतावनी

अनधिकृत वेबसाइटों पर अनलिस्टेड शेयरों की खरीद-फरोख्त से रहें सावधान

» मुंबई, यूटर्न/ 17 जून ।

सेबी यानी भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (एसईबीआई) ने निवेशकों को एक बार फिर चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि अनलिस्टेड कंपनियों के शेयरों की खरीद-बिक्री के लिए इस्तेमाल किए जा रहे अनधिकृत ऑनलाइन प्लेटफॉर्म और वेबसाइटों से दूर रहें। सेबी ने स्पष्ट किया है कि ऐसे प्लेटफॉर्म न तो उसके द्वारा अधिकृत हैं और न ही मान्यता प्राप्त हैं, इसलिए इन पर होने वाले ट्रांजैक्शन्स या ट्रेडिंग निवेशकों के लिए जोखिम भरे साबित हो सकते हैं। सेबी ने निवेशकों को आगाह किया है कि वे ऐसे प्लेटफॉर्म पर ट्रेडिंग करने के साथ-साथ अपनी निजी और संवेदनशील जानकारी भी साझा न करें। नियामक संस्था के अनुसार, इन वेबसाइटों पर उपलब्ध सेवाएं किसी भी अधिकारिक निगरानी के दायरे में नहीं आतीं, जिससे निवेशकों को वित्तीय नुकसान का खतरा बढ़ सकता है।

नियामक ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा, 'निवेशकों को एक बार फिर ऐसे इलेक्ट्रॉनिक प्लेटफॉर्मों पर किसी भी प्रकार का ट्रांजेक्शन/ट्रेडिंग करने या उन पर कोई भी संवेदनशील पर्सनल डिटेल्स शेयर करने के जोखिमों के बारे में आगाह किया जाता है, क्योंकि ये प्लेटफार्म सेबी द्वारा न तो अधिकृत हैं और न ही मान्यता प्राप्त हैं।'

यह पहली बार नहीं है जब सेबी ने इस तरह की चेतावनी जारी की है। इससे पहले भी दिसंबर 2024 और अगस्त 2016 में निवेशकों को ऐसे अनधिकृत प्लेटफॉर्म से सावधान रहने की सलाह दी गई थी। इसके बावजूद कई ऑनलाइन वेबसाइटें और इलेक्ट्रॉनिक प्लेटफॉर्म अभी भी अनलिस्टेड शेयरों की खरीद-बिक्री की सुविधा दे रहे हैं। सेबी ने कहा कि यदि कोई निवेशक ऐसे अनधिकृत प्लेटफॉर्म पर लेन-देन करता है, तो उसे नियामकीय सुरक्षा का लाभ नहीं मिलेगा।

इसका मतलब है कि निवेशक सेबी, स्टॉक एक्सचेंज या डिपॉजिटरी द्वारा उपलब्ध कराए जाने वाले निवेशक संरक्षण, शिकायत निवारण और ऑनलाइन विवाद समाधान जैसी सुविधाओं का उपयोग नहीं कर पाएंगे। बाजार नियामक ने दोहराया कि केवल मान्यता प्राप्त स्टॉक एक्सचेंज ही प्रतिभूतियों की खरीद-बिक्री और फंड जुटाने के लिए अधिकृत प्लेटफॉर्म उपलब्ध करा सकते हैं।

क्रेटा ने दर्ज की 15,235 यूनिट्स की शानदार बिक्री

नई दिल्ली, यूटर्न/ 17 जून । मई 2026 की बिक्री रिपोर्ट ने मिड-साइज एसयूवी सेगमेंट को लेकर बाजार की बदलती तस्वीर को उजागर किया है। बीते मई माह में क्रेटा ने 15,235 यूनिट्स की शानदार बिक्री दर्ज की, जो पिछले साल की तुलना में 2.52 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाती है, और इसने शीर्ष स्थान हासिल किया। सभी को पीछे छोड़ते हुए, हुंडई क्रेटा ने इस सेगमेंट में अपनी बादशाहत कायम रखी है। बिक्री सूची में दूसरे पायदान पर मारुति सुजुकी की नई एसयूवी विक्टोरिस रही, जिसने 10,853 यूनिट्स की बिक्री के साथ अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई। इसके बाद, किआ सेल्टोस ने 10,597 यूनिट्स बेचकर तीसरा स्थान प्राप्त किया, जिसमें सालाना आधार पर 74.24 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि देखी गई। चौथे नंबर पर मारुति सुजुकी ग्रैंड विटारा रही, जिसकी बिक्री में 80.22 प्रतिशत की जबरदस्त सालाना बढ़ोतरी हुई और इसने 9,366 यूनिट्स बेचीं।

एनसीआर की सीमाएं बरकरार, चार नमो सिटी बसाने की तैयारी; प्लानिंग बोर्ड की बैठक में बड़ा फैसला

दिल्ली, यूटर्न/ 17 जून। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) की सीमाओं में फिलहाल कोई बदलाव नहीं होगा। एनसीआर प्लानिंग बोर्ड की 42वीं बैठक में मौजूदा स्वरूप को बरकरार रखने का निर्णय लिया गया। साथ ही भविष्य के शहरी विकास को नई दिशा देने के लिए चार नए नमो सिटी मॉडल शहर विकसित करने की प्रक्रिया शुरू करने का फैसला लिया गया है।

केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल खट्टर की अध्यक्षता में हुई बैठक में दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और राजस्थान के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक में हरियाणा सरकार के उस प्रस्ताव पर भी चर्चा हुई, जिसमें एनसीआर का दायरा दिल्ली के राजघाट से 100 किलोमीटर के हवाई क्षेत्र तक सीमित करने की मांग की गई थी। अधिकारियों के अनुसार, इस प्रस्ताव के लागू होने पर एनसीआर का लगभग 60 प्रतिशत हिस्सा दायरे से बाहर हो जाता। हालांकि बोर्ड ने इस प्रस्ताव को फिलहाल स्वीकार नहीं किया और मौजूदा सीमाएं यथावत रखने का फैसला किया।

बैठक का सबसे महत्वपूर्ण निर्णय चार नए नमो सिटी विकसित करने से जुड़ा रहा। इसके तहत दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और राजस्थान से एक-एक ग्रीनफील्ड टाउनशिप का प्रस्ताव मांगा गया है। इन प्रस्तावों के आधार पर अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस नए शहर विकसित किए जाएंगे।

योजना के अनुसार इन शहरों में आधुनिक बुनियादी ढांचा, बेहतर परिवहन संपर्क, डिजिटल सुविधाएं, पर्यावरण-अनुकूल विकास मॉडल और टिकाऊ शहरी व्यवस्थाएं विकसित की जाएंगी। माना जा रहा है कि इससे एनसीआर के मौजूदा शहरों पर बढ़ते जनसंख्या दबाव, ट्रैफिक जाम, प्रदूषण और अव्यवस्थित शहरी विस्तार जैसी समस्याओं को कम करने में मदद मिलेगी। साथ ही रोजगार, निवेश और आवास के नए अवसर भी पैदा होंगे।

एनसीआर की सीमा को लेकर कमेटी करेगी अध्ययन

बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि एनसीआर की सीमा को लेकर अध्ययन जारी रहेगा। इसके लिए एक उप-समिति गठित की गई है, जो अगस्त 2026 तक अपनी रिपोर्ट सौंपेगी।

झुग्गी में रहने वाले चार लाख परिवारों को मिलेगा पक्का आशियाना

पुनर्वास नीति-2026 को अंतिम मंजूरी

» **दिल्ली, यूटर्न/ 17 जून।**

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि दिल्ली स्लम एवं झुग्गी-झोपड़ी पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन नीति-2026 को अंतिम रूप दे दिया गया है और दिल्ली सरकार जल्द ही इसकी अधिसूचना जारी करेगी। नई नीति के लागू होने से राजधानी की झुग्गी-बस्तियों में रहने वाले करीब चार लाख परिवारों को लाभ मिलने की उम्मीद है।

झुग्गी-बस्ती पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन से संबंधित उच्चस्तरीय बैठक के बाद केंद्रीय गृहमंत्री शाह ने बताया कि केंद्र और दिल्ली सरकार मिलकर पुनर्वास प्रक्रिया को तेज गति से आगे बढ़ाएंगे। बैठक में केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल खट्टर, दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता व दोनों सरकारों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

गृह मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल पर झुग्गी पुनर्वास के लिए पांच क्लस्टरों के टेंडर अगले 45 दिनों के भीतर जारी किए जाएं।

झुग्गियों की पात्रता का निर्धारण जनवरी 2025 की स्थिति के आधार पर

शाह ने कहा कि नई पुनर्वास कॉलोनियों को केवल आवासीय परियोजना के रूप में नहीं विकसित किया जाएगा, बल्कि वहां आंगनबाड़ी केंद्र, विद्यालय, स्वास्थ्य केंद्र, खेल मैदान और अन्य आवश्यक सामुदायिक सुविधाओं का भी समुचित प्रावधान किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि झुग्गियों की पात्रता का निर्धारण एक जनवरी 2025 की स्थिति के आधार पर किया जाएगा। गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार अंत्योदय और गरीब कल्याण के लक्ष्य के प्रति प्रतिबद्ध है। उनके अनुसार, नई पुनर्वास नीति दिल्ली के गरीब परिवारों को सम्मानजनक आवास, बेहतर बुनियादी सुविधाएं और सुरक्षित जीवन उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

32.81 लाख की साइबर ठगी में खाताधारक दिल्ली से गिरफ्तार

फरीदाबाद, यूटर्न/ 17 जून। शेयर ट्रेडिंग और आईपीओ में निवेश पर भारी मुनाफा दिलाने का झांसा देकर 32 लाख 81 हजार 944 रुपये की साइबर ठगी करने के मामले में साइबर थाना सेंट्रल पुलिस ने 15 जून को एक खाताधारक को गिरफ्तार किया। आरोपी की पहचान आलोक रायजादा निवासी पश्चिम विहार, नई दिल्ली के रूप में हुई है। उसके खाते में ठगी की रकम में से 1.06 लाख रुपये आए थे। पुलिस ने आरोपी को अदालत में पेश कर दो दिन के पुलिस रिमांड पर लिया है। आरोपी सिंघु बॉर्डर के पास एक निजी कंपनी में कार्यरत है। पुलिस प्रवक्ता यशपाल के अनुसार सेक्टर-82 निवासी प्रकाश रंजन ने साइबर थाना सेंट्रल में दर्ज शिकायत दर्ज में बताया कि उन्होंने फेसबुक पर शेयर ट्रेडिंग से संबंधित एक विज्ञापन देखा था, जिसमें कम समय में अधिक लाभ कमाने का दावा किया गया था। इसके बाद उन्होंने संबंधित लिंक पर क्लिक किया, जिसके बाद एक व्हाट्सएप समूह में जुड़ गए। इसके बाद ठगों के झांसे में आकर उन्होंने फरवरी से मार्च 2026 के दौरान 32 लाख 81 हजार 944 रुपये जमा करा दिए। इसके बाद उनको ठगी का अहसास हुआ और उन्होंने पुलिस से शिकायत की। जांच के दौरान पुलिस ने धनराशि के लेन-देन का विश्लेषण किया, जिसमें आलोक रायजादा का बैंक खाता सामने आया। पुलिस रिमांड के दौरान उससे पूछताछ कर साइबर ठगी गिरोह के अन्य सदस्यों के बारे में जानकारी जुटा रही है।

ग्रेटर फरीदाबाद के 12 सेक्टरों में सुधरेगी सीवर व्यवस्था

फरीदाबाद, यूटर्न/ 17 जून। ग्रेटर फरीदाबाद के हाईराइज क्षेत्र में रहने वाले लाखों लोगों को लंबे समय से परेशान कर रही सीवर जाम और जलभराव की समस्या से राहत दिलाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। फरीदाबाद महानगर विकास प्राधिकरण (एफएमडीए) ने सेक्टर-78 से सेक्टर-89 तक की मास्टर सीवर लाइनों की सफाई और संचालन एवं रखरखाव के लिए करीब 9.64 करोड़ रुपये की परियोजना तैयार की है। इसके पूरा होने से बरसात के दौरान सड़कों पर पानी भरने, सीवर ओवरफ्लो और गंदे पानी के बैक फ्लो जैसी समस्याओं में कमी आने की उम्मीद है। परियोजना के तहत 500 मिलीमीटर से लेकर 1800 मिलीमीटर व्यास तक की मुख्य सीवर लाइनों की आधुनिक मशीनों से सफाई और डीसिल्टिंग की जाएगी। एफएमडीए ने इस परियोजना को केवल सफाई तक सीमित नहीं रखा है। योजना के अनुसार एक वर्ष के भीतर पूरी मास्टर सीवर लाइन की सफाई का कार्य पूरा किया जाएगा। इसके बाद अगले ढाई वर्ष तक संबंधित एजेंसी को संचालन एवं रखरखाव की जिम्मेदारी भी निभानी होगी। एफएमडीए के कार्यकारी अभियंता ओम दत्त का कहना है कि जल्द ही परियोजना पर काम शुरू कर दिया जाएगा ताकि लोगों को किसी प्रकार की समस्या न हो।

रंजिश में हमला करने वाला गिरफ्तार

फरीदाबाद, यूटर्न/ 17 जून। रंजिश में पड़ोसी पर ईंटों से जानलेवा हमला करने के मामले में थाना पल्ला पुलिस ने 15 जून को एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान नवीन शर्मा उर्फ निक्कू निवासी अलीगढ़ (उत्तर प्रदेश), हाल निवासी सेक्टर-9/10 डिवाइडिंग रोड, फरीदाबाद के रूप में हुई है। एक मई को हुई वारदात में घायल हुए व्यक्ति की शिकायत पर हत्या के प्रयास की प्राथमिकी दर्ज की गई थी। जांच में सामने आया कि आरोपी और शिकायतकर्ता के बीच कुछ समय पहले कहासुनी हुई थी। इसी रंजिश को लेकर आरोपी ने वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है..

संक्षिप्त खबरें

मॉर्निंग वॉक पर निकले बाइक सवार से चेन झपटी

गाजियाबाद, यूटर्न/ 17 जून। नंदग्राम क्षेत्र के राजनगर एक्सटेंशन में मॉर्निंग वॉक पर निकले एक व्यक्ति से बाइक सवार बदमाशों ने चेन लूट ली। विरोध करने पर बदमाश तमंचा दिखाकर भाग गए। मामले में विवेक अरोड़ा ने नंदग्राम थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है। एसीपी नंदग्राम जियाउद्दीन अहमद ने बताया कि राजनगर एक्सटेंशन स्थित सेवी विले डे सोसायटी में रहने वाले विवेक अरोड़ा के मुताबिक सात मई को सुबह रोजाना की तरह वह मॉर्निंग वॉक के लिए निकले थे। घर लौटने के दौरान राजनगर एक्सटेंशन गोलचक्कर के पास बाइक पर सवार दो युवक उनके पास आए और बाइक पर पीछे बैठे बदमाश ने झपट्टा मारकर उनके गले से सोने की चेन झपट ली। विरोध करने पर बदमाश तमंचा दिखाकर भाग गए। उन्होंने तुरंत डायल-112 पर कॉल कर पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने जानकारी जुटाई। घटना के संबंध में उन्होंने नौ जून को नंदग्राम थाने में शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की। एसीपी का कहना है कि शिकायत के आधार पर 15 जून को केस दर्ज कर लिया गया है।

घर के सामने कार पार्क करने पर दी गोली मारने की धमकी

खोड़ा, यूटर्न/ 17 जून। पवन विहार निवासी दीपक गुप्ता ने पड़ोस में रहने वाले दो सगे भाइयों प्रिंस और सचिन के खिलाफ 15 जून की रात प्राथमिकी दर्ज कराई है। आरोप है कि दोनों ने घर के सामने खड़ी रिश्तेदारों की कार हटाने को लेकर कहासुनी हुई थी। उसी दौरान आरोपियों ने गोलियां मारने की धमकी दी है। मामला 25 मई का है, पुलिस ने 21 दिन बाद मामला दर्ज कर जांच शुरू की है। दर्ज मामले में दीपक गुप्ता ने बताया कि 25 मई को पारिवारिक कार्यक्रम में उनके रिश्तेदारों का आना-जाना हो रहा था।

बिना डॉक्टर की पर्ची नहीं मिलेगी खांसी की सिरप, विशेषज्ञों ने फैसले का किया स्वागत

» **फरीदाबाद, यूटर्न/ 17 जून।**

केंद्र सरकार द्वारा खांसी की सिरप सहित विभिन्न सिरप दवाओं की बिक्री को डॉक्टर के पर्चे से जोड़ने के फैसले का जिले के स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने स्वागत किया है। उनका कहना है कि बिना चिकित्सकीय सलाह के दवाओं का इस्तेमाल कई बार गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकता है, खासकर बच्चों में। सरकार ने मंगलवार को एक सूचना जारी किया, जिसमें कहा गया कि खांसी के इलाज में इस्तेमाल होने वाले सिरप समेत सभी सिरप खरीदने से पहले अब दवा का पर्चा जरूरी होगा। दरअसल हाल ही में केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने ड्रग्स रूल्स, 1945 में संशोधन करते हुए कुछ दवाओं की बिक्री के नियम सख्त किए हैं। इस संबंध में मैरिंगो एशिया अस्पताल के वरिष्ठ बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. लोकेश महाजन ने कहा कि सरकार ने उन दवाओं पर नियंत्रण बढ़ाया है जिनके दुष्प्रभाव अधिक होने की संभावना रहती है। उन्होंने बताया कि खांसी की दवाएं अलग-अलग प्रकार, डोज और सांद्रता में उपलब्ध होती हैं। ऐसे में बिना डॉक्टर की सलाह के इनका सेवन स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक साबित हो सकता है।

वहीं एकॉर्ड अस्पताल के बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. ने कहा कि कई लोग सामान्य खांसी या सर्दी होने पर सीधे मेडिकल स्टोर से सिरप खरीदकर बच्चों को दे देते हैं, जबकि बीमारी का कारण और मरीज की उम्र के अनुसार दवा की मात्रा अलग-अलग हो सकती है। गलत डोज लेने से बच्चों में अत्यधिक नींद आना, नशे जैसी स्थिति बनना, ब्लड प्रेशर और हार्ट रेट बढ़ना जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

उन्होंने कहा कि ओवर-द-काउंटर दवाओं के अनियंत्रित उपयोग को रोकने के लिए यह निर्णय जन-स्वास्थ्य के हित में है। इससे लोगों में डॉक्टर की सलाह लेकर ही दवा लेने की प्रवृत्ति बढ़ेगी और दवाओं के दुष्प्रभावों से बचाव हो सकेगा।

अज्ञात वाहन की टक्कर से निजी कंपनी के सुपरवाइजर की मौत

» **साहिबाबाद, यूटर्न/ 17 जून।**

थानाक्षेत्र स्थित हिंडन बैराज के पास 15 जून की देर रात करहैड़ा स्थित स्टील रॉड निमार्ता फैक्टरी के सुपरवाइजर अंकित तोमर (28) को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे के बाद तीन कार सवार लोगों ने उसे नरेंद्र मोहन अस्पताल पहुंचाया, वहां डॉक्टरों ने उनको मृत घोषित कर दिया। अंकित मूलरूप से हापुड़ के पिलखुवा स्थित रघुनाथपुर के रहने वाले थे। परिवार के वह इकलौते बेटे थे अब केवल पिता और अविवाहित बहनें हैं। रघुनाथपुर निवासी भानु प्रकाश तोमर ने बताया कि उनका बेटा करहैड़ा स्थित फैक्टरी में बतौर सुपरवाइजर तैनात थे। खोड़ा में वह पत्नी निधि के साथ रहते थे। सोमवार रात करीब 9 बजे वह फैक्टरी से काम करके घर के लिए लौट रहे थे। साहिबाबाद क्षेत्र में तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उनको टक्कर मार दी। काफी देर तक वह सड़क पर ही पड़े रहे और कुछ समय बाद तीन कार सवार वहां रुके और घायल हालत में तुरंत नरेंद्र मोहन अस्पताल पहुंचाया। इसके बाद अंकित के फोन से उनके सहकर्मी मनोज को फोन कर घटना की जानकारी दी। उनके साथी मनोज

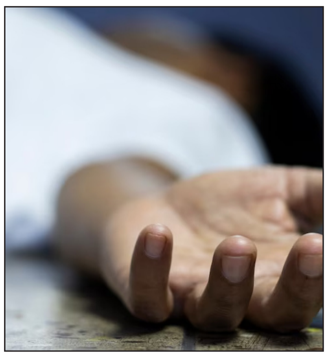

अस्पताल पहुंचे और उनको सूचना दी, लेकिन जब तक डॉक्टर अंकित को मृत घोषित कर चुके थे। इधर, अंकित की मौत का पता चलते ही उनकी पत्नी निधि को गहरा सदमा लगा।

परिजनों ने बताया कि उन्हें भी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने बताया कि मंगलवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। प्रभारी एसीपी साहिबाबाद अमित सक्सेना ने बताया कि युवक के पिता की तहरीर पर अज्ञात वाहन चालक पर प्राथमिकी दर्ज की गई है। सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है, जल्द चालक को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

यूटर्न टाइम THE GOOD, BAD & UGLY OF INDIA

कॉफी शॉप में बैठी लीजा हेडन पर पड़ी अनिल कपूर की नजर, यहीं से खुल गए बॉलीवुड के दरवाजे

बॉलीवुड में कुछ सितारों को इंडस्ट्री में मौका पाने के लिए सालों तक इंतजार करना पड़ता है, तो कुछ की जिंदगी एक ही पल में बदल जाती है। अभिनेत्री और मॉडल लीजा हेडन की कहानी भी कुछ ऐसी ही है। आज उनको मॉडलिंग, फिटनेस और फिल्मों में निभाए गए किरदारों के लिए जाना जाता है, लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि उनके फिल्मी सफर की शुरूआत एक ऐसी मुलाकात से हुई थी, जिसने उनकी जिंदगी की दिशा ही बदल दी। एक कॉफी शॉप में बैठी लीजा पर एक अभिनेता और निमार्ता की नजर पड़ी और यहीं से उनके बॉलीवुड सफर का रास्ता खुल गया। लीजा हेडन का जन्म 17 जून 1986 को चेन्नई में हुआ था। उनका असली नाम एलिजाबेथ मैरी हेडन है। उनके पिता भारतीय मूल के मलयाली हैं, जबकि उनकी मां ऑस्ट्रेलियाई हैं। बचपन में लीजा ने भारत के अलावा ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका में भी समय बिताया। पढ़ाई के दौरान उनकी रुचि साइकोलॉजी में थी और वह आगे चलकर योग शिक्षक बनना चाहती थीं। कहा जाता है कि दोस्तों की सलाह पर उन्होंने मॉडलिंग की दुनिया में कदम रखा। शुरूआत में उन्होंने ऑस्ट्रेलिया में छोटे-छोटे विज्ञापनों के लिए काम किया। उनका पहला विज्ञापन एक स्ट्रेच मार्क क्रीम के लिए था। धीरे-धीरे लीजा को मॉडलिंग पसंद आने लगी और उन्होंने इसे करियर बनाने का फैसला किया। साल 2007 में वह भारत आ गईं, और यहां उन्होंने कई बड़े ब्रांड्स के लिए मॉडलिंग की। उनकी खूबसूरती, आत्मविश्वास और अलग अंदाज ने जल्द ही फैशन इंडस्ट्री का जाना-पहचाना चेहरा बना दिया। वह साल 2011 में किंगफिशर कैलेंडर का हिस्सा बनीं, जिसे मॉडलिंग जगत में बड़ी उपलब्धि माना गया। इसके अलावा, उन्होंने कई फैशन शो में रैंप वॉक भी किया और भारत की सबसे चर्चित मॉडलों में शामिल हुईं। उनके जीवन का सबसे बड़ा मोड़ तब आया जब उन्हें एक कॉफी शॉप में देखा गया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अभिनेता और निमार्ता अनिल कपूर की नजर उन पर पड़ी। इसके बाद उन्हें फिल्म 'आयशा' में काम करने का मौका मिला। यह उनके लिए बिल्कुल नया अनुभव था, क्योंकि उन्हें अभिनय की ज्यादा जानकारी नहीं थी। फिल्म साइन करने के बाद लीजा ने न्यूयॉर्क जाकर एक्टिंग की ट्रेनिंग ली और मुंबई में भी अभिनय की बारीकियां सीखीं।

साल 2010 में रिलीज हुई 'आयशा' के जरिए उन्होंने बॉलीवुड में कदम रखा और पहली ही फिल्म से लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। हालांकि, उन्हें पहचान साल 2014 में आई फिल्म 'क्वीन' से मिली। इस फिल्म में उन्होंने विजयलक्ष्मी का किरदार निभाया था, जिसे दर्शकों और समीक्षकों ने खूब पसंद किया। फिल्म में उनके अभिनय की जमकर तारीफ हुई और उन्हें सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेत्री के लिए कई बड़े पुरस्कारों में नामांकन मिला। 'क्वीन' की सफलता के बाद लीजा ने 'द शौकीन्स', 'हाउसफुल 3', 'संता बंता प्राइवेट लिमिटेड' और 'ऐ दिल है मुश्किल' जैसी फिल्मों में भी काम किया।

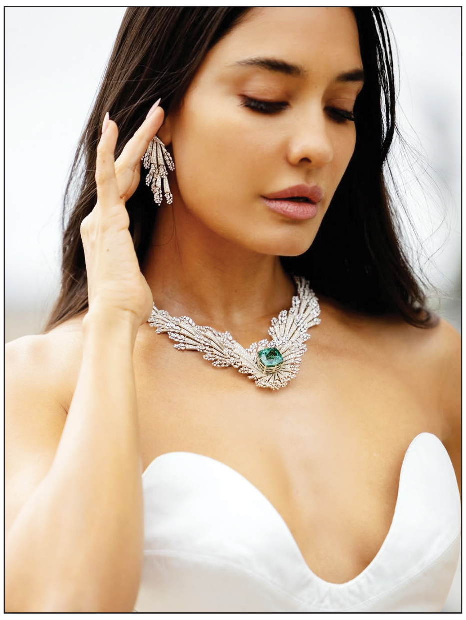

दिव्यांका ने दिखाई जुड़वां बेटों की पहली झलक

टीवी इंडस्ट्री की लोकप्रिय ईशी मां दिव्यांका त्रिपाठी इन दिनों अपने मां बनने के नए दिनों का खूब आनंद ले रही हैं। कुछ दिनों पहले मई महीने में दिव्यांका त्रिपाठी ने जुड़वां बेटों को जन्म दिया था और अब हाल ही में उन्होंने पहली बार अपने बेटों के साथ सोशल मीडिया पर तस्वीरें साझा की हैं। मां बनने की खुशी उनके चेहरे पर साफ दिखाई दे रही है, हालांकि उन्होंने फिलहाल अपने बेटों के चेहरे छुपाए हुए हैं ताकि उनकी प्राइवेसी बनी रहे। पहली तस्वीर में वह अपने एक बेटे को किस करती हुई दिखाई दे रही हैं, जबकि दूसरी तस्वीर में उन्होंने अपने दूसरे बेटे को गोद में लिया हुआ है। इन तस्वीरों के साथ उन्होंने बहुत प्यारा कैप्शन लिखा है, मुझे चुनने के लिए शुक्रिया। जैसे ही दिव्यांका ने अपनी तस्वीरें शेयर कीं, फैंस ने उन पर खूब प्यार लुटाना शुरू कर दिया, और अभिनेत्री आरती सिंह सहित कई हस्तियों ने उन्हें बधाई दी। दिव्यांका त्रिपाठी अक्सर अपने व्लॉग्स के जरिए फैंस को अपनी प्रेग्नेंसी और मदरहुड जर्नी से जुड़े अनुभवों से रूबरू कराती रहती हैं।

सफल कलाकार बनने का रास्ता आसान नहीं था: सुम्बुल तौकीर

अपने अभिनय करियर, संघर्ष और सफलता के सफर को लेकर लोकप्रिय टेलीविजन अभिनेत्री सुम्बुल तौकीर ने खुलकर बात की है। धारावाहिक इमली से घर-घर में पहचान बनाने वाली सुम्बुल का कहना है कि एक सफल कलाकार बनने का रास्ता उनके लिए आसान नहीं था। चर्चा में सुम्बुल ने बताया कि उनका सपना शुरू से ही अभिनेत्री बनने का था। मनोरंजन जगत में उनकी शुरूआत भले ही डांस रियलिटी शो के माध्यम से हुई हो, लेकिन उनकी असली इच्छा अभिनय के क्षेत्र में अपनी पहचान बनाने की थी। उन्होंने कहा कि समय के साथ उन्हें अपने सपनों को साकार करने का अवसर मिला और आज वह अपने सफर को देखकर संतोष महसूस करती हैं। सुम्बुल के अनुसार, किसी भी कलाकार की सफलता के पीछे लंबे संघर्ष, धैर्य और निरंतर मेहनत की अहम भूमिका होती है। उन्होंने कहा कि अपने करियर के दौरान उन्होंने अच्छे और बुरे दोनों तरह के अनुभवों का सामना किया है। कई बार चुनौतियां सामने आईं, लेकिन उन्होंने कभी हार नहीं मानी।

टाइम मैगजीन की शीर्ष 100 खिलाड़ियों की सूची में मंधाना शामिल

लंदन, यूटर्न/ 17 जून । ब्रिटेन की प्रतिष्ठित टाइम मैगजीन ने साल 2026 के लिए अपने 100 प्रभावशाली खिलाड़ियों की जो सूची जारी की है। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उपकप्तान स्मृति मंधाना को भी जगह मिली है। हैरानी की बात ये है कि इसमें इसमें भारतीय पुरुष टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली और युवा कप्तान शुभमन गिल को भी जगह नहीं मिली है। इस प्रकार भारत से केवल मंधाना ही इस वैश्विक प्लेटफॉर्म पर स्थान पाने वाली एकमात्र भारतीय खिलाड़ी बन गयी हैं। इससे उनके बढ़ते प्रभाव का अंदाजा होता है। सलामी बल्लेबाज मंधाना ने अपने करियर में कई अहम रिकार्ड बनाये हैं। उनके नाम महिला टी20 में सर्वाधिक 34 अर्धशतक हैं। इस प्रारूप में वह 4401 रन बनाकर दूसरी सबसे ज्यादा रन बनाने वाली क्रिकेटर भी हैं। एकदिवसीय क्रिकेट में भी वह भारत की ओर से दूसरी सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी हैं। इससे उनकी असाधारण निरंतरता का अंदाजा होता है। गौरतलब है कि टाइम मैगजीन की इस प्रतिष्ठित सूची में उन खिलाड़ियों, कोचों, समर्थकों और निवेशकों को सम्मानित किया गया है। जिन्होंने खेल की दुनिया में गहरा प्रभाव डाला है। मंधाना के साथ इसमें विश्व के कुछ सबसे बड़े खेल सितारे भी शामिल हैं। इसमें अमेरिकी बास्केटबॉल स्टार लेब्रॉन जेम्स, फुटबॉल स्ट्राइकर लियोनेल मेसी और क्रिस्टियानो रोनाल्डो, के अलावा दिग्गज गोल्फर रोरी मैकलॉय, क्रिकेटर टेम्बा बावुमा सहित कई दिग्गज खिलाड़ी शामिल हैं। मैगजीन ने मंधाना की कई विशिष्ट उपलब्धियों को रेखांकित किया है। घरेलू एकदिवसीय मैच में दोहरा शतक बनाने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी के रूप में भी उनकी सराहना हुई है। साथ ही वह तीनों अंतरराष्ट्रीय प्रारूपों (टेस्ट, वनडे, टी20) में शतक बनाने वाली पहली महिला क्रिकेटर भी हैं।

स्टोक्स के बचाव में आये नाथन लियोन

सिडनी, यूटर्न/ 17 जून । नाइटक्लब विवाद को लेकर आलोचनाओं में घिरे इंग्लैंड क्रिकेट टीम के टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स के बचाव में ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी ऑफ स्पिनर नाथन लियोन आये हैं। लियोन ने स्टोक्स की प्रशंसा करते हुए उन्हें क्रिकेट इतिहास के महानतम खिलाड़ियों में से एक बताया है और उम्मीद जताई है कि वे अभी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास नहीं लेंगे। लियोन ने कहा कि उनके मन में इंग्लैंड के इस ऑलराउंडर के लिए बेहद सम्मान है। ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर ने दृढ़ता से कहा, मैं सच में उम्मीद करता हूं कि यह स्टोक्स के करियर का अंत नहीं है। मेरे मन में उनके लिए बेहद सम्मान है। मेरी नजर में वह क्रिकेट खेलने वाले सबसे महान खिलाड़ियों में से एक हैं। लियोन ने यह भी उम्मीद जताई कि स्टोक्स अगले साल होने वाली एशेज सीरीज में मैदान पर जरूर नजर आएंगे, क्योंकि उनकी मौजूदगी खेल के लिए बेहद अहम है। ऐसे समय में जब स्टोक्स नाइट क्लब विवाद में व्यक्तिगत जांच के दायरे में हैं, लियोन जैसे प्रतिद्वंद्वी खिलाड़ी का यह खुला समर्थन उन्हें मानसिक रूप से मजबूती प्रदान कर सकता है। एक ओर जहां लियोन ने स्टोक्स के भविष्य को लेकर अपनी चिंता और समर्थन व्यक्त किया, वहीं खुद वह भी अपने करियर के एक महत्वपूर्ण पड़ाव पर हैं। पिछले कुछ समय से हैमस्ट्रिंग की चोट से जूझ रहे 38 वर्षीय ऑफ स्पिनर अगस्त में बांग्लादेश के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की घरेलू सीरीज से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी करेंगे।

जी-7 सम्मेलन में यूक्रेन को बड़ा समर्थन

एयर डिफेंस मजबूत करने और रूस पर दबाव बढ़ाने पर सहमतिः जेलेंस्की

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 17 जून ।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने बताया कि जी-7 शिखर सम्मेलन में यूक्रेन को अंतरराष्ट्रीय साझेदारों का महत्वपूर्ण समर्थन मिला है। रूस पर दबाव बढ़ाने और यूक्रेन की रक्षा को मजबूत बनाने के लिए कई अहम कदमों पर सहमति बनी।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, ''फ्रांस में हुए जी-7 शिखर सम्मेलन से यूक्रेन को महत्वपूर्ण समर्थन मिला है। सबसे अहम बात यह रही कि हमने यूक्रेन की वायु रक्षा (एयर डिफेंस) को और मजबूत करने पर सहमति बनाई है। इसके अलावा, रूस पर उसके युद्ध को लेकर दबाव बढ़ाने के लिए नए कदम भी उठाए जाएंगे। ऐसा दबाव जो शांति स्थापित करने के लिए जरूरी है। हमारे साझेदार देश यूक्रेन की रक्षा और ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत बनाए रखने में भी सहयोग देंगे।''

जेलेंस्की ने कहा कि यह महत्वपूर्ण है कि हम सभी मुख्य चुनौतियों को लेकर एक जैसी समझ रखते हैं और उनका सामना करने के लिए ठोस कदमों पर सहमत हैं। हमारी वैश्विक एकजुटता वास्तव में रूस की उस क्षमता को कम कर रही है, जिसके बल पर वह यूक्रेन के खिलाफ इस बेवजह और आपराधिक आक्रामकता को जारी रखे हुए है। मैं उन सभी का धन्यवाद करता हूं जो हमारी मदद कर रहे हैं। राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहा कि मैंने यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन से मुलाकात की। मैं यूरोपीय संघ का आभारी हूं कि उसने यूक्रेन और मोल्दोवा के लिए सदस्यता वार्ता के पहले चरण (नेगोशिएशन क्लस्टर) को शुरू करने का फैसला किया है। यह जरूरी है कि इस प्रक्रिया को लगातार आगे बढ़ाया जाए। हमने अगले पांच वार्ता चरणों को शुरू करने की समय-सीमा और यूरोपीय एकीकरण की दिशा में यूक्रेन के आगे के कदमों पर चर्चा की।

यूक्रेनी राष्ट्रपति ने बताया कि बैठक में वित्तीय सहायता पैकेज को लागू करने और उसकी पहली किस्त जारी करने की तैयारियों पर विशेष ध्यान दिया गया। इसके साथ ही रूस के खिलाफ प्रतिबंधों को और मजबूत करने तथा शांति स्थापित करने के लिए कूटनीतिक प्रयासों पर भी बातचीत हुई।

जब तक रूस युद्ध जारी रखने का इरादा रखता है, तब तक यूक्रेन की वायु रक्षा (एयर डिफेंस) को और मजबूत करना जरूरी है। साथ ही, हमारे देश के लिए सुरक्षा गारंटी को लेकर सहयोग और समन्वय पर भी लगातार काम जारी रखना होगा।

होर्मुज में बढ़ी जहाजों की आवाजाही, ईरान के तीन तेल टैंकरों ने अमेरिकी नाकेबंदी को किया पार

» तेहरान, यूटर्न/ 17 जून ।

होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों की आवाजाही बढ़ने लगी है। मैरीटाइम एनालिसिस फर्म विंडवर्ड ने बताया कि मंगलवार को 14 जहाज स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से गुजरे, जो इस महीने का सबसे बड़ा दैनिक आंकड़ा है।

जो इस महीने का अब तक का सबसे बड़ा दैनिक आंकड़ा है। इस बढ़ोतरी को शिपिंग कंपनियों के बीच धीरे-धीरे लौटते भरोसे के संकेत के रूप में देखा जा रहा है।

रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि अमेरिकी प्रतिबंधों के तहत सूचीबद्ध एक जहाज 'सोफिया 1' ने भी होर्मुज स्ट्रेट को पार किया। इसे पहले अमेरिकी वित्त विभाग द्वारा ईरान के तेल परिवहन नेटवर्क से जुड़े जहाजों में शामिल किया गया था और इस पर द्वितीयक प्रतिबंध भी लगाए गए थे। समुद्री गतिविधियों पर नजर रखने वाली संस्था टैंकरट्रैकर्स के मुताबिक, पीस डील ऐलान के बाद से ईरान का तीसरा तेल टैंकर अमेरिकी नौसेना की नाकाबंदी को पार कर गया।

टैंकरट्रैकर्स ने बताया कि नेशनल ईरानियन टैंकर कंपनी (एनआईटीसी) का टैंकर सोनिया-1 करीब 10 लाख बैरल कच्चा तेल लेकर रवाना हुआ था।

इससे पहले इसी सप्ताह एनआईटीसी के दो टैंकर डायोना और हीरो-2 भी अमेरिकी नाकाबंदी पार कर निकले थे। इन दोनों जहाजों में कुल 38 लाख बैरल ईरानी कच्चा तेल लदा था।

हालांकि, मौजूदा ट्रैफिक अभी भी युद्ध से पहले के स्तर से काफी कम है। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक, संघर्ष शुरू होने से पहले इस होर्मुज से औसतन करीब 130 जहाज प्रतिदिन गुजरते थे।

विंडवर्ड ने कहा कि कई शिपिंग कंपनियां अभी भी पूरा भरोसा जुटा नहीं पाई हैं, वो इंतजार कर रही हैं। जहाज मालिकों का कहना है कि वे तब तक होर्मुज से जहाज नहीं भेजेंगे, जब तक जहाजों पर हमले का खतरा पूरी तरह से खत्म नहीं हो जाता।

संक्षिप्त खबरें

तुर्की के कोन्या प्रांत में एसएएमपी-टी मिसाइल रक्षा प्रणाली तैनात करेगा नाटो

अंकारा, यूटर्न/ 17 जून । तुर्की ने घोषणा की है कि देश की हवाई क्षेत्र सुरक्षा को बढ़ाने के लिए कोन्या प्रांत में इटली की एसएएमपी-टी मिसाइल रक्षा प्रणाली तैनात करेगा। तुर्की के रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि यह कदम उत्तरी अटलांटिक संधि (नाटो) की स्थायी रक्षा योजनाओं के तहत उठाया जा रहा है और इसका उद्देश्य गठबंधन की हवाई सुरक्षा को मजबूत करना है। इटली द्वारा संचालित इस प्रणाली को कोन्या में तीसरे मुख्य जेट बेस कमांड पर तैनात किया जाएगा। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, फ्रांस और इटली द्वारा संयुक्त रूप से विकसित एसएएमपी-टी एक सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली है, जिसे बैलिस्टिक मिसाइलों सहित कई तरह के खतरों को रोकने के लिए डिजाइन किया गया है। नाटो ने पहले ही अदाना प्रांत के इंसिलिक एयर बेस पर एक अतिरिक्त पैट्रियट मिसाइल बैटरी तैनात कर दक्षिण-पूर्वी तुर्की में अपनी उपस्थिति को मजबूत किया है।

इंडोनेशिया में भूकंप के जोरदार झटके, एक की मौत, 40 घायल

जकार्ता, यूटर्न/ 17 जून । इंडोनेशिया के सेंट्रल सुलावेसी प्रांत में तेज भूकंप के कारण हुए हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गयी तथा 40 अन्य लोग घायल हुए हैं। इंडोनेशिया की राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन एजेंसी के अनुसार मंगलवार को आये भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 6.7 मापी गयी। भूकंप से 300 से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं। एजेंसी ने बताया कि कम से कम 25 लोगों को मामूली चोटें आयीं और 13 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। साथ ही, कई ज़िलों में लगभग 110 परिवार या 312 लोग प्रभावित हुए। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार शुरूआती आकलन में कम से कम 67 क्षतिग्रस्त घरों, पूजा के छह स्थानों, दो पुलों, दो दफ्तरों की इमारतों और पालू, सिगी और पोसो को जोड़ने वाली एक प्रांतीय सड़क के आंशिक रूप से ढहने की जानकारी मिली है। अधिकारियों ने आपातकालीन राहत कार्य शुरू कर दिये हैं। सिगी में अधिकारियों ने नोकिलालाकी उप जिला दफ्तर में एक फील्ड कमांड पोस्ट बनाया है। पोसो ज़िला सामान्य अस्पताल में आपातकालीन मेडिकल टेंट लगाये गये हैं।

बंगाल पुलिस की बड़ी कार्रवाई, तृणमूल कांग्रेस के पूर्व विधायक के पांच बैंक खाते फ्रीज

» कोलकाता, यूटर्न/ 17 जून ।

पश्चिम बंगाल पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए तृणमूल कांग्रेस के पूर्व विधायक सब्यसाची दत्ता के पांच बैंक अकाउंट को फ्रीज कर दिया है। सब्यसाजी दत्ता राजरहाट-न्यूटाउन विधानसभा सीट से दो बार विधायक रह चुके हैं। राजरहाट-न्यूटाउन विधानसभा क्षेत्र नॉर्थ 24 परगना जिले के अंतर्गत आता है। इसके अलावा, वह बिधाननगर नगर निगम की चेयरपर्सन रह चुके हैं। इससे पहले दत्ता को इसी महीने भ्रष्टाचार और वसूली के मामले में गिरफ्तार किया गया था। पुलिस के मुताबिक, जांच अधिकारी दत्ता की पत्नी इंदिरा दत्ता के बारे में पता लगाने की कोशिश कर रही है, जो अपने पति की गिरफ्तारी के बाद से फरार हैं। अब तक की जांच में यह सामने आया है कि सब्यसाची दत्ता और इंदिरा दत्ता के कुल पांच बैंक अकाउंट हैं, जिनमें से एक बैंक खाता ज्वाइंट रहा है। इन पांचों बैंक खाते में कुल धनराशि 1.70 करोड़ रुपये हैं। यही नहीं, इस दंपति के पास एक सेल्फ डिपॉजिट लॉकर भी है।

जांच अधिकारियों को इस बात की आशंका है कि इन लॉकर्स में सोने रखे हो सकते हैं। यह छापेमारी दत्ता की गिरफ्तारी के बाद की गई। पूर्व विधायक की गिरफ्तारी के बाद जांच अधिकारियों ने उनके ठिकाने से 50 किलोग्राम सोने की खरीद रसीद भी बरामद की है।

> जांच अधिकारियों को इस बात की आशंका है कि इन लॉकर्स में सोने रखे हो सकते हैं। यह छापेमारी दत्ता की गिरफ्तारी के बाद की गई। पूर्व विधायक की गिरफ्तारी के बाद जांच अधिकारियों ने उनके ठिकाने से 50 किलोग्राम सोने की खरीद रसीद भी बरामद की है।

पांच बैंक अकाउंट को जब्त करने के अलावा जांच अधिकारियों ने दत्ता की हाई एंड एसयूवी भी बरमद कर ली है, जो उनकी पत्नी के नाम पर थी। इसके साथ ही जांच के दौरान पुलिस को पूर्व तृणमूल कांग्रेस के विधायक के रेसिडेंटल फ्लैट के बारे में भी जानकारी मिली है, जो उनके नाम पर ही पंजीकृत है। इससे पहले शुक्रवार को दत्ता के ससुराल वालों के घर पर भी छापेमारी हुई थी, जो कि उत्तर 24 परगना में गाइघाटा में स्थित है। हालांकि, छापेमारी के दौरान कुछ भी बरामद या सीज नहीं किया गया। अब पुलिस दत्ता को बुधवार को बिधाननगर कोर्ट में पेश कराएगी, जहां पर उनके हिरासत की मांग की जाएगी। दत्ता को बिधाननगर नगर निगम के वार्ड नंबर 31 के पार्षद हैं।

कोलकाता के उत्तरी बाहरी इलाके साल्ट लेक में रहने वाले एक व्यवसायी की शिकायत के बाद दत्ता को गिरफ्तार किया गया। यह मामला क्षेत्राधिकार की दृष्टि से बिधाननगर सिटी पुलिस से जुड़ा हुआ है।

हालांकि, इससे पहले भी दत्ता के खिलाफ पूर्व में भ्रष्टाचार, वसूली और गुंडागर्दी के मामलों में शिकायत दर्ज की जा चुकी है। व्यापारी की शिकायत के बाद बिधाननगर उत्तर पुलिस स्टेशन ने दत्ता के घर पर छापेमारी की। यह छापेमारी रायगाछी स्थित दत्ता के आवास पर आठ जून की आधी रात को की गई।

कांगो में इबोला के पुष्ट मामलों की संख्या बढ़कर 837, मृतकों की संख्या बढ़कर 196 हुई

» किंशासा, यूटर्न/ 17 जून ।

मध्य अफ्रीकी देश कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य (डीआरसी) में इबोला के पुष्ट मामलों की संख्या 837 पहुंच गयी है, जबकि मृतकों की संख्या बढ़कर 196 हो गयी है।

इस बीच स्वास्थ्य अधिकारियों और अंतर्राष्ट्रीय भागीदारों ने चेतावनी दी है कि सामुदायिक स्तर पर लगातार फैलने और भौगोलिक विस्तार के कारण यह प्रकोप लगातार गंभीर होता जा रहा है।

कांगो स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी ताजा आंकड़ों के अनुसार, इस बीमारी से मृत्यु दर 23.4 प्रतिशत रही।

इस बीमारी का मात देकर 49 मरीज स्वस्थ हो चुके हैं, जबकि 376 मरीजों को अभी क्वारंटीन किया गया है।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, बुंडिबुग्यो इबोला वायरस के कारण फैला यह प्रकोप मुख्य रूप से प्रमुख प्रभावित क्षेत्रों, विशेषकर इतुरी प्रांत के बुनिया, मोंगब्वालु और वाम्परा में केंद्रित है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा मंगलवार को प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार, प्रभावित स्वास्थ्य क्षेत्रों का बढ़ता भौगोलिक दायरा, शहरी और खनन से जुड़े क्षेत्रों में लगातार हो रहा प्रसार, कुछ प्रांतों में संपर्कों की निगरानी की कम दर और प्रभावित क्षेत्रों में जारी असुरक्षा के कारण राहत अभियान जटिल हो रहे हैं।

इससे कांगो के भीतर और पड़ोसी देशों में इसके और फैलने का खतरा बढ़ गया है। डब्ल्यूएचओ ने कहा कि इतुरी और उत्तरी कीवू प्रांतों में सामुदायिक स्तर पर लगातार प्रसार, मामलों और मौतों की बढ़ती संख्या तथा निरंतर भौगोलिक विस्तार के कारण स्थिति और खराब होती जा रही है।

मेडिकल कॉलेज में रैगिंग करने के आरोप में 12 छात्रों पर मुकदमा दर्ज

» हैदराबाद, यूटर्न/ 17 जून ।

हैदराबाद पुलिस ने सरकारी डेंटल कॉलेज के 12 छात्रों पर रैगिंग करने के आरोप में मुकदमा दर्ज किया है। आरोप है कि उस्मानिया मेडिकल कॉलेज के हॉस्टल परिसर में बैचलर ऑफ डेंटल सर्जरी (बीडीएस) के प्रथम वर्ष के छात्रों को सीनियर छात्रों ने परेशान किया था। जानकारी सामने आई कि डेंटल कॉलेज के छात्र अभी उस्मानिया मेडिकल कॉलेज के हॉस्टल में रह रहे हैं, जहां रैगिंग की यह कथित घटना हुई। घटना को गंभीरता से लेते हुए कॉलेज प्रशासन ने अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू की और आगे की जांच पूरी होने तक फाइनल-ईयर के छह बीडीएस छात्रों को छह महीने के लिए सस्पेंड कर दिया। आरोप है कि उन्होंने अपने जूनियर्स को शारीरिक और मानसिक रूप से परेशान किया।

इसके अलावा, कॉलेज के प्रिंसिपल संजीव सिंह यादव ने पुलिस में भी शिकायत दी। शिकायत के बाद तेलंगाना रैगिंग निषेध अधिनियम के तहत सुल्तान बाजार थाने में फाइनल-ईयर के 12 छात्रों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने घटना में शामिल छात्रों को समझाया और आगे की जांच कर रही है। पुलिस का कहना है कि वे यह पता लगा रहे हैं कि क्या रैगिंग की घटना में और भी छात्र शामिल थे। अधिकारियों ने बताया कि कॉलेज में ऐसी घटनाओं को दोबारा होने से रोकने के लिए एंटी-रैगिंग कमेटी को और मजबूत किया गया है। प्रिंसिपल ने चेतावनी दी है कि रैगिंग में शामिल किसी भी छात्र को गंभीर परिणाम भुगतने होंगे, जिसमें कॉलेज से हमेशा के लिए निकाला जाना और सख्त कानूनी सजा शामिल है, जिससे उनका भविष्य बर्बाद हो सकता है। उन्होंने जूनियर छात्रों को सलाह दी कि वे डरें नहीं और अपनी पढ़ाई पर ध्यान दें। 1997 में, अविभाजित आंध्र प्रदेश राज्य ने शैक्षणिक संस्थानों के अंदर और बाहर रैगिंग की प्रथा पर रोक लगाने के लिए 'आंध्र प्रदेश रैगिंग निषेध अधिनियम' लागू किया था।

Owner, Publisher, Printer: - Komal Sharma, C/O Ummpl Marketing Pvt. 194-G, Sector 63, Noida 201307, Editor: Sandeep Sharma
Contact - +91 9888200619

* तमाम प्रकाशित सामग्री के चयन व संपादन हेतु आर.बी.एक्ट. के तहत जिम्मेवार *